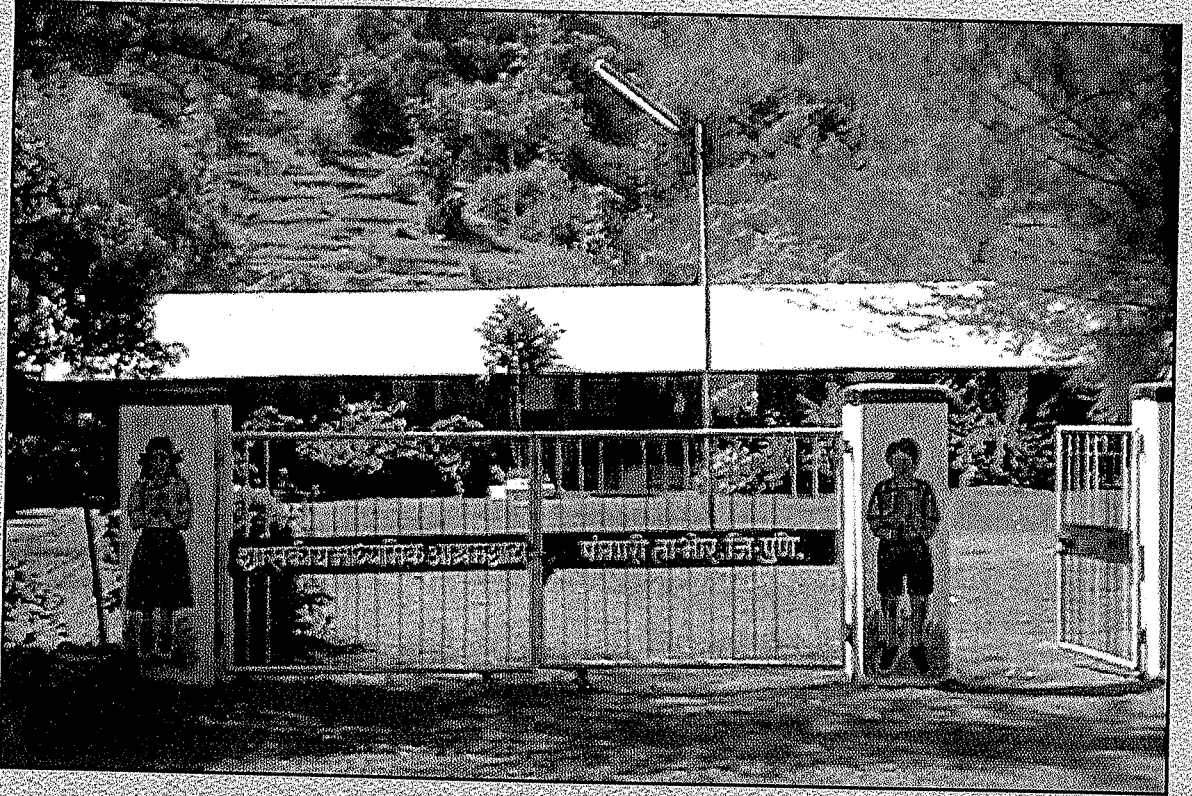




सत्यमेव जयते  
महाराष्ट्र शासन

196

# आश्रमशाळा मूल्यमापन अहवाल २००८-०९



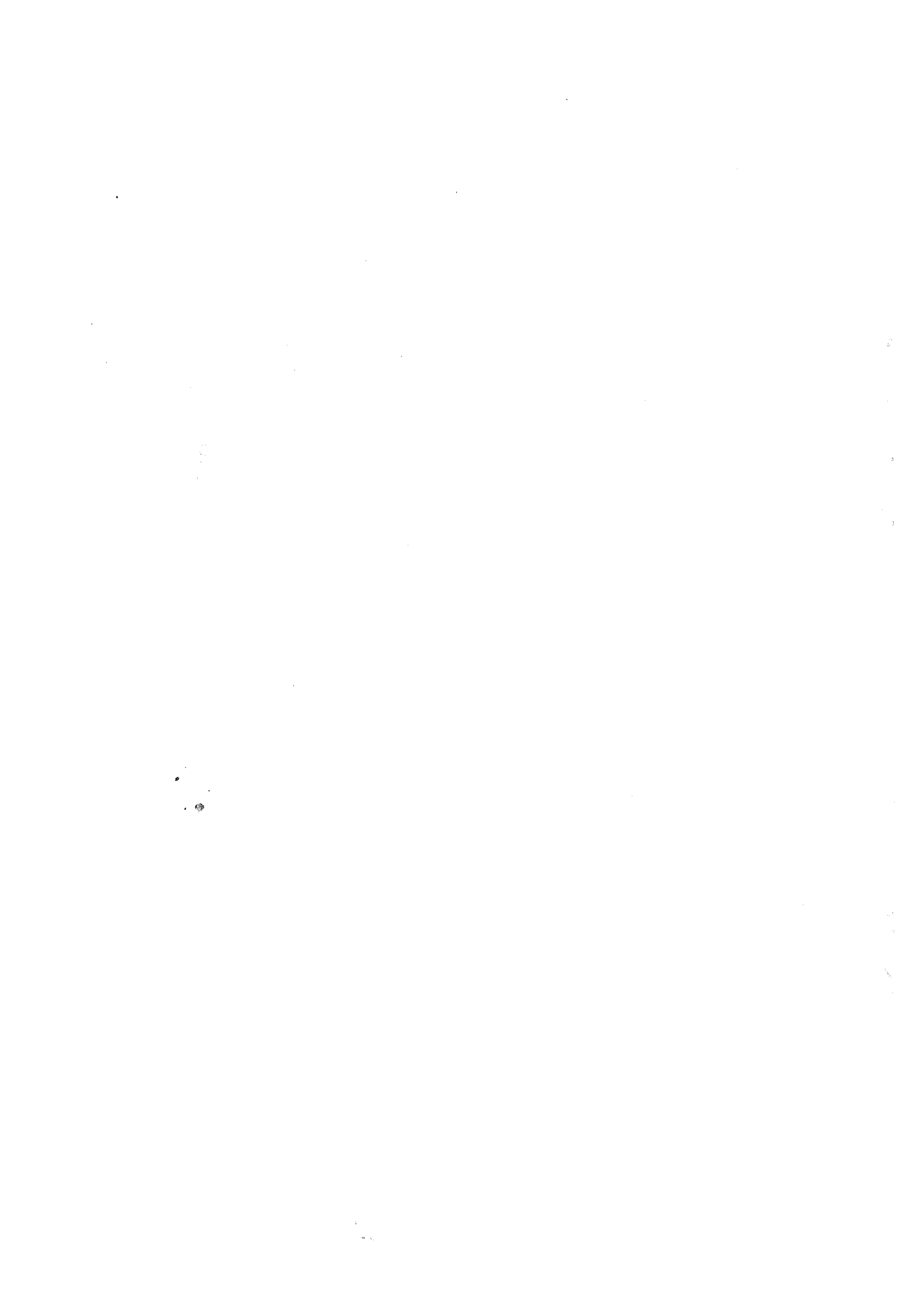
आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था

२८ क्वीन्स गार्डन, पुणे ४११ ००१



# आश्रमशाळा मूल्यमापन अहवाल

२००८-०९



● ● अ नु क्र म णि का ● ●

| प्र. क्र. | विषय                               | पृष्ठ क्रमांक |
|-----------|------------------------------------|---------------|
|           | प्रस्तावना                         | पाच           |
| १         | मूल्यमापनाचे उद्देश                | १             |
| २         | क्षेत्रीय पाहणी                    | २             |
| ३         | कार्यपद्धती                        | ३             |
| ४         | पृथःकरण                            | ४             |
|           | ४.१ पाहणी केलेल्या आश्रमशाळा       | ४             |
|           | ४.२ आश्रमशाळांचे वर्गीकरण          | ६             |
|           | ४.३ आश्रमशाळांचा शैक्षणिक स्तर     | ८             |
|           | ४.४ आश्रमशाळेतील विद्यार्थी संख्या | ९             |
|           | ४.५ आश्रमशाळेतील शिक्षक संख्या     | १७            |
|           | ४.६ निवासस्थाने                    | २९            |
|           | ४.७ इमारतींची स्थिती               | ३०            |
|           | ४.८ अग्निशामक यंत्रणा              | ३५            |
|           | ४.९ बेंचेसची व्यवस्था              | ३५            |
|           | ४.१० क्रीडांगण                     | ३६            |
|           | ४.११ पाणीपुरवठा                    | ३६            |
|           | ४.१२ आरोग्य सुविधा                 | ३८            |
|           | ४.१३ प्रयोगशाळा सुविधा             | ३९            |
|           | ४.१४ ग्रंथालय सुविधा               | ३९            |
|           | ४.१५ गणवेश वाटप                    | ४०            |
|           | ४.१६ आश्रमशाळेची वेळ               | ४१            |
|           | ४.१७ शिक्षकेतर कर्मचारी वर्ग       | ४१            |
|           | ४.१८ अधीक्षक                       | ४१            |
|           | ४.१९ स्वयंपाकी व कामाठी            | ४१            |
|           | ४.२० संगणक                         | ४१            |
|           | ४.२१ वसतिगृहांची स्थिती            | ४३            |
|           | ४.२२ भोजन सुविधा                   | ४५            |
|           | ४.२३ वृत्तपत्रे                    | ४६            |
|           | ४.२४ रेडिओ                         | ४६            |
|           | ४.२५ टीव्ही                        | ४७            |
|           | ४.२६ क्रीडा साहित्य                | ४७            |
|           | ४.२७ कार्यालय कक्ष                 | ४८            |
|           | ४.२८ इमारतींची मालकी               | ४८            |
|           | ४.२९ शालेय साहित्य                 | ४८            |

(तीन)

| प्र. क्र. | विषय   | पृष्ठ क्रमांक |
|-----------|--|---------------|
|           | ४.३० निवासी अनिवासी विद्यार्थी               | ४८            |
|           | ४.३१ विद्यार्थ्यांची दैनिक उपस्थिती          | ४९            |
|           | ४.३२ विद्यार्थ्यांचे जातवार वर्गीकरण         | ४९            |
|           | ४.३३ उत्तीर्ण विद्यार्थी                     | ४९            |
|           | ४.३४ उजळणी वर्ग                              | ५०            |
|           | ४.३५ शिक्षण खात्याच्या परीक्षा               | ५०            |
|           | ४.३६ प्रश्नपत्रिका                           | ५१            |
|           | ४.३७ बोलीभाषेचा वापर                         | ५२            |
|           | ४.३८ घटक चाचण्या                             | ५२            |
|           | ४.३९ सांस्कृतिक कार्यक्रम                    | ५२            |
|           | ४.४० क्रीडा स्पर्धा वक्तृत्व व निबंध स्पर्धा | ५३            |
|           | ४.४१ शिक्षकांच्या मासिक सभा                  | ५३            |
|           | ४.४२ शालेय तपासणी                            | ५३            |
|           | ४.४३ गळती                                    | ५४            |
|           | ४.४४ अनुदान                                  | ५५            |
|           | ४.४५ आश्रमशाळांचा शैक्षणिक दर्जा             | ५५            |
| ५         | अडचणी व उपाययोजना                            | ५८            |
| ६         | निष्कर्ष                                     | ६०            |

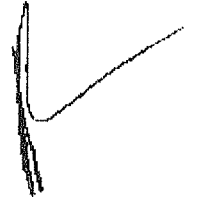
## प्रस्तावना

महाराष्ट्रात आदिवासी विद्यार्थ्यांसाठी अनुसूचित क्षेत्रात व क्षेत्राबाहेर निवासी आश्रमशाळा शासनाकडून व स्वयंसेवी संस्थांकडून चालविण्यात येतात.

सदर आश्रमशाळांपैकी अनुसूचित क्षेत्रातील २२ आश्रमशाळांची पाहणी करून आश्रमशाळांच्या सर्वसाधारण कामकाजाचे मूल्यमापन करण्यात आले.

सदर मूल्यमापन पाहणीचे क्षेत्रीय काम श्रीमती काळे (प्रभारी उपसंचालक), श्री. गायकवाड (संशोधन सहायक), श्री. कुदळे (संशोधन सहायक), श्रीमती बोंबले (सांख्यिकी सहायक), श्री. यादव (आरेखक), श्री. कसबे (सांख्यिकी सहायक), श्री. शेख (कनिष्ठ लिपिक) व श्री. पवार (अन्वेषक) ह्यांनी पूर्ण केले असून अहवाल लेखनाचे काम श्रीमती काळे (प्रभारी उपसंचालक) ह्यांनी पूर्ण केले आहे.

सदर अहवाल आश्रमशाळातील त्रुटी दूर करण्यासाठी व त्यांच्या समस्या सोडविण्यासाठी उपयोगी ठरेल असे वाटते.



(डॉ. अरविंदकुमार झा)

आयुक्त,

आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था,

महाराष्ट्र राज्य, पुणे १.





## प्रकरण १

### मूल्यमापनाचे उद्देश

अनुसूचित क्षेत्रामध्ये शासनाकडून तसेच स्वयंसेवी संस्थांकडून आश्रमशाळा चालविल्या जातात. शासनाकडून स्वयंसेवी संस्थांच्या ज्या आश्रमशाळांना अनुदान मिळते अशा अनुदानित व शासकीय आश्रमशाळांमध्ये होत असलेल्या कामाचे मूल्यमापन करण्यासाठी ही पाहणी घेण्यात आली. सदर मूल्यमापनाचे उद्देश खालीलप्रमाणे आहेत :--

१. अनुसूचित क्षेत्रातील आश्रमशाळांच्या शैक्षणिक दर्जाचा आढावा घेणे.
२. सदर आश्रमशाळांतील विद्यार्थ्यांना देण्यात येणाऱ्या भोजनादी सेवांचा आढावा घेणे.
३. आश्रमशाळेतील स्वच्छता, पाणीपुरवठा ह्या बाबींमध्ये असलेल्या अडचणींचा आढावा घेणे.
४. आश्रमशाळांच्या वसतिगृहांच्या स्थितीची पाहणी करणे.
५. आश्रमशाळेतील शिक्षकांच्या अडचणी तसेच त्यांचा शैक्षणिक स्तर, शिक्षणाची भाषा आदी बाबींचे अवलोकन करणे.

थोडक्यात आश्रमशाळांचा सर्वांगीण आढावा घेऊन आढळलेल्या त्रुटी शासनाचे निदर्शनास आणून देणे, अडचणींचे निराकारण करण्याचे उपायाबाबत माहिती देणे व आवश्यक वाटल्यास काही बाबी सुचवणे हा ह्या मूल्यमापन पाहणीचा प्रमुख उद्देश आहे.

## प्रकरण २

### क्षेत्रीय पाहणी

आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, पुणे येथील एकात्मिक क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम कक्षातील खालील पथकाने आश्रमशाळांच्या पाहणीचे काम ऑगस्ट, २००८ ते ऑक्टोबर, २००८ ह्या कालावधीत पूर्ण केले.

#### तक्ता १

#### पथक

| अ. क्र. | नाव                  | हुद्दा          |
|---------|----------------------|-----------------|
| १       | श्रीमती अनुराधा काळे | प्र. उपसंचालक   |
| २       | श्री. अरविंद गायकवाड | संधोधन सहायक    |
| ३       | श्री. बी. पी. कुदळे  | संशोधन सहायक    |
| ४       | श्री. उदय यादव       | आरेखक           |
| ५       | श्रीमती कांचन बोंबले | सांख्यिकी सहायक |
| ६       | श्री. दीपक कसबे      | सांख्यिकी सहायक |
| ७       | श्री. शेख            | कनिष्ठ लिपिक    |
| ८       | श्री. रवींद्र पवार   | अन्वेषक         |

## प्रकरण ३

### कार्यपद्धती

शासनाच्या आदेशानुसार शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांचे आदिवासी संशोधन व प्रशिक्षण संस्था, पुणे यांचेमार्फत मूल्यमापन करण्यात आले. महाराष्ट्रातील वेगवेगळ्या क्षेत्रातील शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांना प्रत्यक्ष भेटी देऊन आश्रमशाळांची सर्वसाधारण स्थिती व शैक्षणिक दर्जा ह्या अनुषंगाने मूल्यमापनासाठी माहिती संकलित करण्यात आली.

महाराष्ट्रात आदिवासी विभागाच्या शासकीय व अनुदानित मिळून १,००० आश्रमशाळा असून, आश्रमशाळांची निवड यादृच्छिक पद्धतीने करण्यात आली.

आश्रमशाळांची जागा, इमारत, परिसर, विद्यार्थी व शिक्षकांची उपस्थिती, स्वच्छता, सोयी-सुविधा, आश्रमशाळेत विद्यार्थ्यांना दिले जाणारे अन्न, आरोग्य, औषधपुरवठा व विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक गुणवत्ता व त्यांच्या ज्ञानाची सर्वसाधारण चाचपणी ह्या बाबींवर माहिती संकलित करताना भर देण्यात आला.

महाराष्ट्रातील नाशिक व अमरावती ह्या दोन जिल्ह्यांतील २२ आश्रमशाळांची पाहणी करण्यात आली.

ह्या पाहणीत काढलेले निष्कर्ष येथे सविस्तर उद्धृत केले आहेत.

## प्रकरण ४

### पृथःकरण

महाराष्ट्रातील नाशिक व अमरावती ह्या दोन जिल्ह्यांतील ज्या २२ आश्रमशाळांची पाहणी करण्यात आली, त्यांची माहिती खालील तक्त्यात दिलेली आहे.

#### ४.१ पाहणी केलेल्या आश्रमशाळा

##### तक्ता २

| अ. क्र. | जिल्हा         | तालुका           | गाव       | आश्रमशाळेचे नाव  | शाळेचा प्रकार   |                  |                  |
|---------|----------------|------------------|-----------|--|-----------------|------------------|------------------|
|         |                |                  |           |  | इ. १ ली ते ७ वी | इ. १ ली ते १० वी | इ. १ ली ते १२ वी |
| १       | २              | ३                | ४         | ५  | ६               | ७                | ८                |
| १       | नाशिक शासकीय   | १) कळवण          | काठरेदिगर | १) शासकीय आश्रमशाळा, काठरेदिगर                             | -               | √                | -                |
|         |                | २) पेठ           | चोळमुख    | २) शासकीय माध्यमिक आश्रमशाळा, चोळमुख.                      | -               | √                | -                |
|         |                | ३) इगतपुरी       | काळुस्ते  | ३) शासकीय माध्यमिक आश्रमशाळा, काळुस्ते.                    | -               | √                | -                |
|         |                | ४) त्र्यंबकेश्वर | तोरगण     | ४) शासकीय माध्यमिक आश्रमशाळा, तोरगण.                       | -               | √                | -                |
|         |                | ५) दिंडोरी       | नाळेगाव   | ५) शासकीय माध्यमिक आश्रमशाळा, नाळेगाव.                     | -               | √                | -                |
|         |                | ६) सटाणा         | हरणबारी   | ६) शासकीय माध्यमिक आश्रमशाळा, हरणबारी.                     | -               | √                | -                |
| २       | नाशिक अनुदानित | १) कळवण          | सुळे      | ७) सिध्देश्वर प्राथमिक आश्रमशाळा, सुळे.                    | √               | -                | -                |
|         |                | २) पेठ           | पिंपळवटे  | ८) कुसुमाग्रज प्रतिष्ठान सिताराम भोये आश्रमशाळा, पिंपळवटे. | -               | √                | -                |
|         |                | ३) ईगतपुरी       | टाकेद     | ९) प्राथमिक व माध्यमिक आश्रमशाळा, टाकेद.                   | -               | √                | -                |
|         |                |                  | खंबाळे    | १०) ठक्कर बाप्पा प्राथमिक व माध्यमिक आश्रमशाळा, खंबाळे.    | -               | √                | -                |

|   |                  |                  |        |   |   |   |   |
|---|------------------|------------------|--------|---|---|---|---|
|   |                  | ४) त्र्यंबकेश्वर | चिंचवड | ११) श्री. सखाराम भोये चाँद पाटील प्राथमिक आश्रमशाळा, चिंचवड.        | √ | - | - |
|   |                  |                  |        | १२) माध्यमिक आश्रमशाळा, चिंचवड.                                     | - | √ | - |
|   |                  | ५) दिंडोरी       |        | १३) ठक्कर बाप्पा आश्रमशाळा, आंबेगण.                                 | - | √ | - |
|   |                  | ६) सटाणा         | कळवण   | १४) मातोश्री सौ. नवसाई अनुदानित माध्यमिक आश्रमशाळा, कळवण.           | - | √ | - |
|   |                  |                  | लाडुद  | १५) मंगळु नाईक अनुदानित प्राथमिक आश्रमशाळा, लाडुद.                  | √ | - | - |
| ३ | अमरावती शासकीय   | १) धारणी         |        | १६) शासकीय आश्रमशाळा, चौराकुंड                                      | √ | - | - |
|   |                  | २) चिखलदरा       |        | १७) शासकीय आश्रमशाळा, रायपूर  | - | √ | - |
|   |                  |                  |        | १८) शासकीय माध्यमिक कन्या आश्रमशाळा, टेम्बुसोंडा.                   | - | - | √ |
| ४ | अमरावती अनुदानित | ३) धारणी         |        | १९) ज्ञानमंदिर आश्रमशाळा, चाकर्दा                                   | √ | - | - |
|   |                  |                  |        | २०) गाडगे महाराज प्राथमिक व माध्यमिक आश्रमशाळा, ढाकरमल.             | - | √ | - |
|   |                  | ४) चिखलदरा       |        | २१) सुधाकरराव नाईक आदिवासी आश्रमशाळा, बिबा                          | - | √ | - |
|   |                  |                  |        | २२) कै. वसंतराव नाईक प्राथमिक व माध्यमिक आदिवासी आश्रमशाळा, नागपूर. | - | √ | - |

**टीप :** माध्यमिक आश्रमशाळा, चिंचवड, तालुका त्र्यंबकेश्वर, जिल्हा नाशिक, मातोश्री सौ. नवसाई अनुदानित माध्यमिक आश्रमशाळा लाडुद, तालुका सटाणा, जिल्हा नाशिक ही आश्रमशाळा इयत्ता ८ वी ते १० वी पर्यंत आहे.

तसेच शासकीय आश्रमशाळा चौराकुंड, तालुका धारणी, जिल्हा अमरावती ही आश्रमशाळा इयत्ता १ ली ते ५ वी पर्यंत आहे.

## ४.२ आश्रमशाळांचे वर्गीकरण

पाहणी केलेल्या २२ शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांपैकी नाशिक जिल्ह्यातील ६ आश्रमशाळा शासकीय असून, ९ आश्रमशाळा अनुदानित आहेत. अमरावती जिल्ह्यातील ३ आश्रमशाळा शासकीय आहेत तर ४ आश्रमशाळा अनुदानित आहेत. अशाप्रकारे ९ शासकीय व १३ अनुदानित आश्रमशाळांची पाहणी करण्यात आली आहे.

### तक्ता ३

#### आश्रमशाळांचे व्यवस्थापनानुसार व विद्यार्थ्यांनुसार वर्गीकरण

| पाहणी केलेल्या एकूण आश्रमशाळा | शासकीय | अनुदानित | एकूण |
|-------------------------------|--------|----------|------|
|                               | ९      | १३       | २२   |
| मुले                          | १७७९   | २६३५     | ४४१४ |
| मुली                          | २१२३   | १९३९     | ४०६२ |
| एकूण                          | ३९०२   | ४५७४     | ८४७६ |

### तक्ता ४

#### पाहणी केलेल्या आश्रमशाळांचे प्रकल्पनिहाय वर्गीकरण

| प्रकल्पाचे नाव | शासकीय | अनुदानित | एकूण |
|----------------|--------|----------|------|
| १) कळवण        | २      | ३        | ५    |
| २) नाशिक       | ४      | ६        | १०   |
| ३) धारणी       | ३      | ४        | ७    |
| एकूण           | ९      | १३       | २२   |

## शासकीय आश्रमशाळा

शासकीय आश्रमशाळांचा संपूर्ण खर्च शासनाकडून करण्यात येतो. तेथील शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी वर्ग शासनाच्या संवर्गावरील असतो. सदर आश्रमशाळा ज्या प्रकल्पांतर्गत असते, त्या प्रकल्पांतर्गत सदर आश्रमशाळेतील शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या होऊ शकतात. सदर आश्रमशाळांमध्ये धान्य / भाजी इत्यादी वस्तू तसेच विद्यार्थ्यांना गणवेश, आसनपट्ट्या, ब्लॅकेट, पेट्या, शालेय पुस्तके-वह्या, साबण, तेल, कंगवे आदि सर्व बाबी शासनाकडून पुरविण्यात येतात.

## अनुदानित आश्रमशाळा

अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये प्रती विद्यार्थी रु. ५०० दरमहा ह्याप्रमाणे शासनाकडून शासनमान्य आश्रमशाळा चालविणाऱ्या नोंदणीकृत अशासकीय संघटनेस / संस्थेस अनुदान म्हणून देण्यात येते. ह्या व्यतिरिक्त होणारा खर्च हा त्या संस्थेस करावा लागतो. आश्रमशाळेतील शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांच्या नेमणुका सदर संस्थेमार्फत करण्यात येतात व त्यांच्या बदल्या सदर संस्थेमार्फत संस्थेतर्गत होतात. ह्या आश्रमशाळांसाठी लागणाऱ्या सर्व बाबींचा पुरवठा सदर संस्थेकडून आश्रमशाळेला केला जातो किंवा रोख निधी सस्थेकडून आश्रमशाळेकडे वर्ग करण्यात येतो.

पाहणी केलेल्या नाशिक व अमरावती जिल्ह्यातील २२ शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांपैकी केवळ १ आश्रमशाळा फक्त मुलींची असून, ती अमरावती जिल्ह्यातील चिखलदरा तालुक्यातील टेंबूसोडा येथे आहे. सदर आश्रमशाळा शासन संचलित आहे. इतर सर्व शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळा सामूहिक शिक्षण देणाऱ्या आहेत.

### तक्ता ६

#### आश्रमशाळांचे वर्गीकरण

#### (मुलांची/मुलींची/सामूहिक)

| एकूण आश्रम शाळा |          |      | मुलांची |          | मुलींची |          | मुले+मुली |          |
|-----------------|----------|------|---------|----------|---------|----------|-----------|----------|
| शासकीय          | अनुदानित | एकूण | शासकीय  | अनुदानित | शासकीय  | अनुदानित | शासकीय    | अनुदानित |
| ९               | १३       | २२   | -       | -        | १       | -        | ८         | १३       |

### ४.३ आश्रमशाळांचा शैक्षणिक स्तर

पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांपैकी एका आश्रमशाळेमध्ये १ ली ते ५ वी पर्यंत, चार आश्रमशाळांमध्ये इयत्ता १ ली ते ७ वी पर्यंत, तर १६ आश्रमशाळांमध्ये १० वी पर्यंत व एका आश्रमशाळेमध्ये इयत्ता १२ वी पर्यंतचे वर्ग आहेत.

इयत्ता १ ली ते इयत्ता ५ वी पर्यंतची आश्रमशाळा शासकीय आहे. इयत्ता १ ली ते इयत्ता ७ वी पर्यंतच्या ४ आश्रमशाळा अनुदानित आहेत.

इयत्ता १० वीपर्यंतच्या एकूण १६ आश्रमशाळांपैकी ७ आश्रमशाळा शासकीय असून, उर्वरित ९ आश्रमशाळा अनुदानित आहेत.

इयत्ता १ ली ते इयत्ता १२ वी पर्यंत एकच आश्रमशाळा असून, ती मुलींची शासकीय आश्रमशाळा आहे. १३ अनुदानित आश्रमशाळांपैकी एकही आश्रमशाळा इयत्ता १ ली ते इयत्ता १२ वी पर्यंत नाही.

थोडक्यात ९ शासकीय आश्रमशाळांपैकी १ आश्रमशाळा इयत्ता १ ली ते इयत्ता ५ वी पर्यंत व सात आश्रमशाळा इयत्ता १ ली ते इयत्ता १० वी पर्यंत आहेत. खास मुलींसाठी १ शासकीय आश्रमशाळा असून, ती इयत्ता १ ली ते इयत्ता १२ वी पर्यंत आहे.

१३ अनुदानित आश्रमशाळांपैकी इयत्ता १ ली ते इयत्ता ७ वी पर्यंतच्या चार आश्रमशाळा असून, इयत्ता १० वीपर्यंतच्या नऊ आश्रमशाळा आहेत.

#### तक्ता ७

#### आश्रमशाळांचा शैक्षणिक स्तर

| शैक्षणिक स्तर  | शासकीय | अनुदानित | एकूण |
|----------------|--------|----------|------|
| १) १ली ते ५वी  | १      | ०        | १    |
| २) १ली ते ७वी  | ०      | ४        | ४    |
| ३) १ली ते १०वी | ७      | ७        | १४   |
| ४) १ली ते १२वी | १      | ०        | १    |
| ५) ८वी ते १०वी | ०      | २        | २    |
| एकूण           | ९      | १३       | २२   |



## ४.४ आश्रमशाळेतील विद्यार्थी संख्या

पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांमध्ये एकूण ८,४७६ विद्यार्थी शिक्षण घेत असून, सरासरी ३८५ विद्यार्थी एका आश्रमशाळेत शिक्षण घेतात असे म्हणता येते.

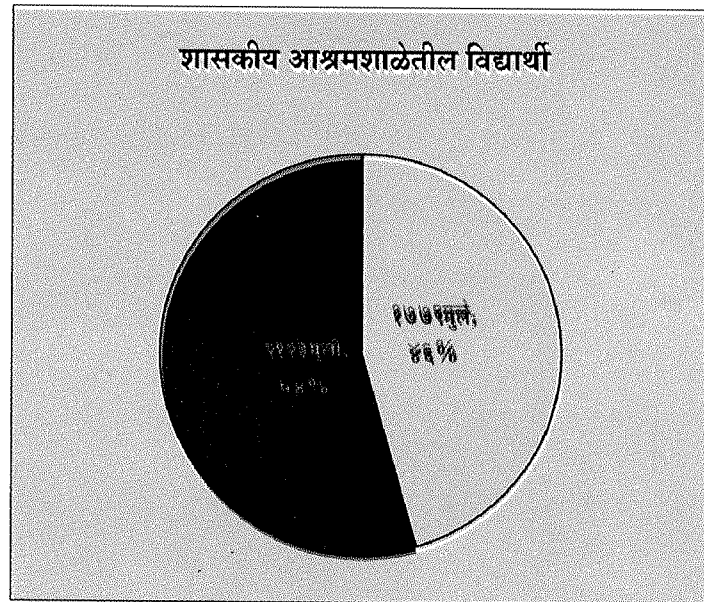
एकूण ८,४७६ विद्यार्थ्यांपैकी ४,४१४ मुले असून, ४०६२ एवढ्या मुली आहेत. विद्यार्थिनींचे म्हणजेच मुलींचे प्रमाण ४८ % आहे.

एकूण ८,४७६ विद्यार्थ्यांपैकी प्राथमिक शिक्षण घेणारे म्हणजेच इयत्ता १ ली ते इयत्ता ७ वी पर्यंत ५,८९० एवढे विद्यार्थी असून, त्यांचे प्रमाण एकूणपैकी ६९ % आहे.

इयत्ता ८ वी ते इयत्ता १० वी असे माध्यमिक शिक्षण घेणारे २,३३३ एवढे विद्यार्थी असून, हे प्रमाण २८ % आहे.

इयत्ता ११ वी ते इयत्ता १२ वी असे उच्च माध्यमिक शिक्षण घेणारे २५३ विद्यार्थी असून, हे प्रमाण ३ % आहे.

उच्च माध्यमिक शिक्षणामध्ये कला, वाणिज्य व शास्त्र ह्या शाखांचा विचार करता, एकूण उच्च माध्यमिक शिक्षण घेणाऱ्या २५३ विद्यार्थ्यांपैकी ४९ % कला शाखेचे विद्यार्थी असून, शास्त्र शाखेचे ५१ % विद्यार्थी आहेत. वाणिज्य शाखेत शिक्षण घेणारे विद्यार्थी नाहीत. मात्र पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांपैकी एकाच शासकीय आश्रमशाळेत उच्च माध्यमिक शिक्षण दिले जात असून, ती शाळा मुलींची आहे.



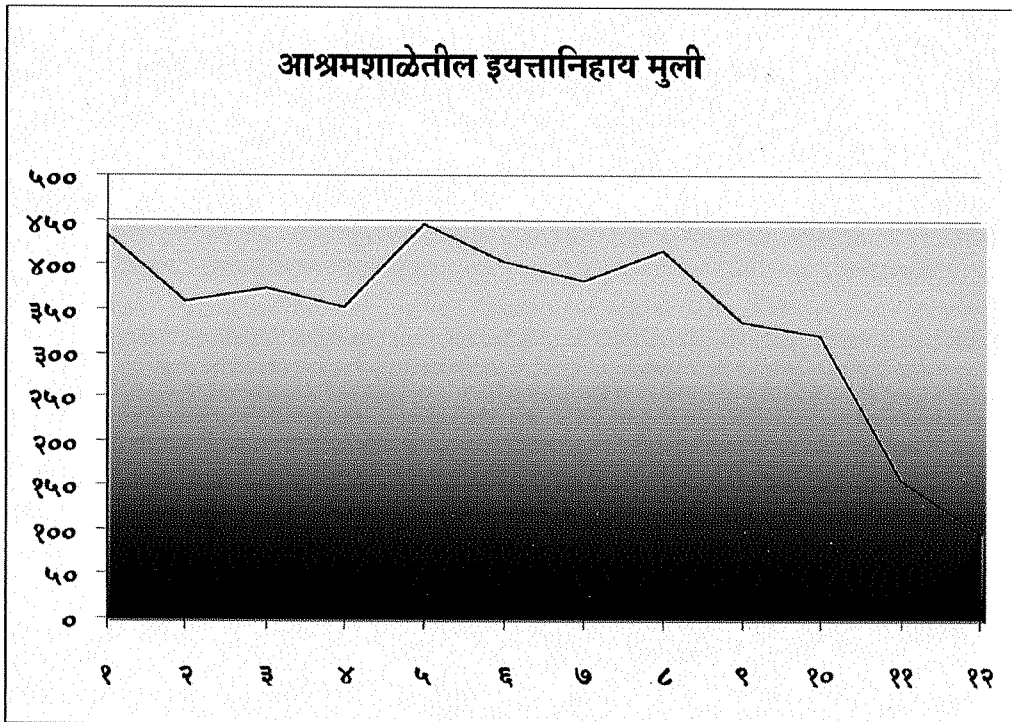


एकूण प्राथमिक शिक्षण घेणाऱ्या ५,८९० विद्यार्थ्यांमध्ये २,७४२ मुली असून, हे प्रमाण ४७ % आहे. माध्यमिक शिक्षण घेणाऱ्या २,३३३ विद्यार्थ्यांमध्ये १,०६७ मुली असून, हे प्रमाण ४६ % आहे. उच्चमाध्यमिक शिक्षण घेणाऱ्या २५३ विद्यार्थ्यांत सर्व म्हणजे १०० % मुली आहेत. कारण उच्चमाध्यमिक शिक्षण देणारी ती एकमेव शाळा फक्त मुलींची आहे.

एकूण शिक्षण घेणाऱ्या ४,०६२ मुलींमध्ये प्राथमिक शिक्षण घेणाऱ्या मुलींचे प्रमाण ६८ % असून, माध्यमिक शिक्षण घेणाऱ्या मुली २६ % आहेत. तर उच्च माध्यमिक शिक्षण घेणाऱ्या मुलींचे प्रमाण घटून ते ६ % आहे.

म्हणजेच प्राथमिक शिक्षण घेणाऱ्या एकूण मुलींपैकी जवळजवळ १/३ मुली (३८ %) माध्यमिक शिक्षण घेतात तर त्यापैकी फक्त १/५ पेक्षा कमी मुली (२४ %) उच्च माध्यमिक शिक्षणापर्यंत पोचतात. ह्याचाच अर्थ ९४ % मुलींचे शिक्षण माध्यमिक शिक्षणापुढे जाऊ शकत नाही तर ७४ % मुलींच्या शिक्षणास विविध कारणांमुळे प्राथमिक शिक्षणानंतरच अर्धचंद्र मिळतो.

म्हणजेच प्राथमिक शिक्षण घेणाऱ्या दर ५ मुलींपैकी २ मुली माध्यमिक शिक्षण घेतात, तर माध्यमिक शिक्षण घेणाऱ्या दर ४ मुलींपैकी १ मुलगी उच्च माध्यमिक शिक्षण घेते.

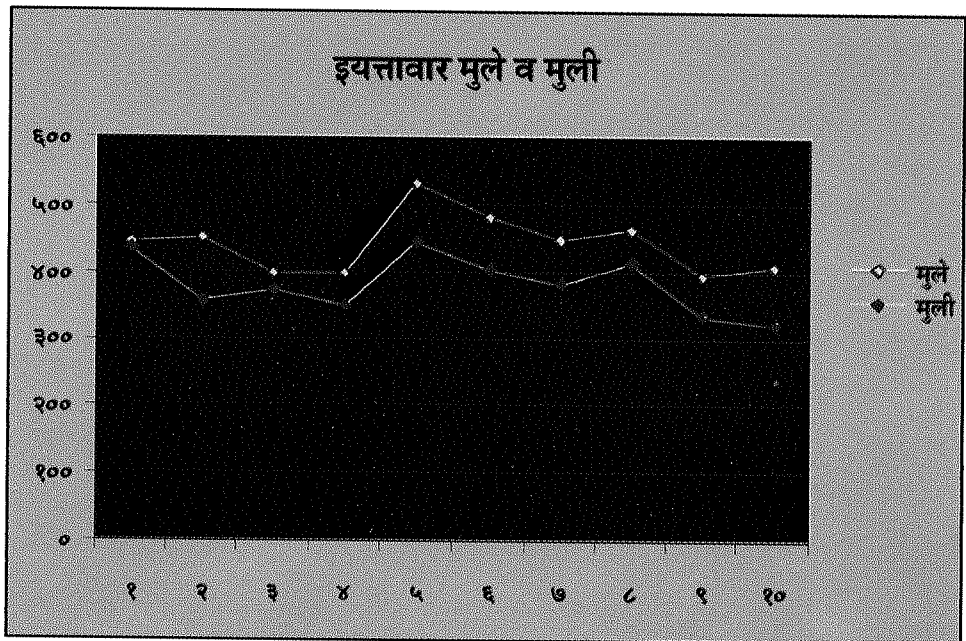




तक्ता ८

आश्रमशाळेतील विद्यार्थी संख्या

| मुलांची शाळा |    | मुलींची शाळा |    | सामूहिक शाळा विद्यार्थी |      | एकूण सामूहिक + मुलींची शाळा विद्यार्थीनी |      | एकूण एकंदर विद्यार्थी |      | एकूण |      |      |
|--------------|----|--------------|----|-------------------------|------|--|------|-----------------------|------|------|------|------|
| १            | २  | ३            | ४  | ५                       | ६    | ७  | ८    | ९                     | १०   | ११   | १२   | १३   |
| शा.          | अ. | शा.          | अ. | शा.                     | अ.   | शा.                                      | अ.   | मुले                  | मुली | शा.  | अ.   | ए.   |
| -            | -  | ८०९          | -  | १७७९                    | २६३५ | १३१४                                     | १९३९ | ४४१४                  | ४०६२ | ३९०२ | ४५७४ | ८४७६ |





तक्ता ९

इयत्तानुसार विद्यार्थी संख्या

| इयत्ता | मुले (एकूण) |      |      | मुली (एकूण) |      |      | एकूण विद्यार्थी |      |      |
|--------|-------------|------|------|-------------|------|------|-----------------|------|------|
|        | एकूण        | शा.  | अ.   | एकूण        | शा.  | अ.   | एकूण            | शा.  | अ.   |
| १ली    | ४४५         | १८३  | २६२  | ४३३         | २०६  | २२७  | ८७८             | ३८९  | ४८९  |
| २री    | ४५०         | १९१  | २५९  | ३५६         | १७०  | १८६  | ८०६             | ३६१  | ४४५  |
| ३री    | ३९७         | १५४  | २४३  | ३७३         | १७५  | १९८  | ७७०             | ३२९  | ४४१  |
| ४थी    | ३९८         | १७३  | २२५  | ३५१         | १६५  | १८६  | ७४९             | ३३८  | ४११  |
| ५वी    | ५३०         | २०३  | ३२७  | ४४५         | २३१  | २१४  | ९७५             | ४३४  | ५४१  |
| ६वी    | ४८२         | १८४  | २९८  | ४०२         | १९४  | २०८  | ८८४             | ३७८  | ५०६  |
| ७वी    | ४४६         | १५८  | २८८  | ३८२         | १८३  | १९९  | ८२८             | ३४१  | ४८७  |
| ८वी    | ४६४         | २०५  | २५९  | ४१४         | २०७  | २०७  | ८७८             | ४१२  | ४६६  |
| ९वी    | ३९५         | १५८  | २३७  | ३३५         | १७९  | १५६  | ७३०             | ३३७  | ३९३  |
| १०वी   | ४०७         | १७०  | २३७  | ३१८         | १६०  | १५८  | ७२५             | ३३०  | ३९५  |
| ११वी   | -           | -    | -    | १५७         | १५७  | -    | १५७             | १५७  | -    |
| १२वी   | -           | -    | -    | ९६          | ९६   | -    | ९६              | ९६   | -    |
| एकूण   | ४४१४        | १७७९ | २६३५ | ४०६२        | २१२३ | १९३९ | ८४७६            | ३९०२ | ४५७४ |

११ वी व १२ वीची एकच शाळा पहाणी करण्यात आली ती शासकीय मुलींची शाळा आहे.

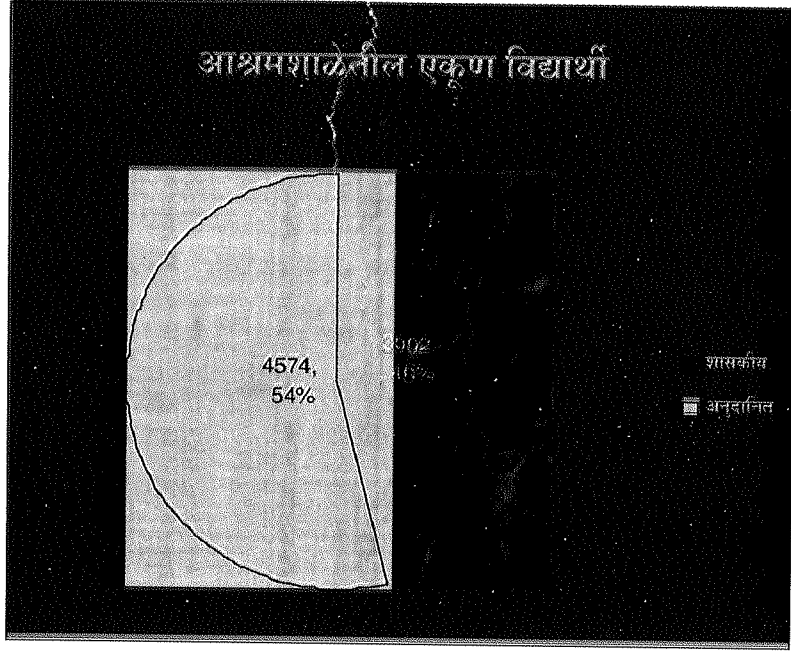
तक्ता १०

उच्च माध्यमिक शिक्षणाचे शाखेनुसार वर्गीकरण

| इयत्ता | कला  |      | वाणिज्य |      | शास्त्र |      | एकूण |      |
|--------|------|------|---------|------|---------|------|------|------|
|        | मुले | मुली | मुले    | मुली | मुले    | मुली | मुले | मुली |
|        | -    | १२४  | -       | -    | -       | १२९  | -    | २५३  |







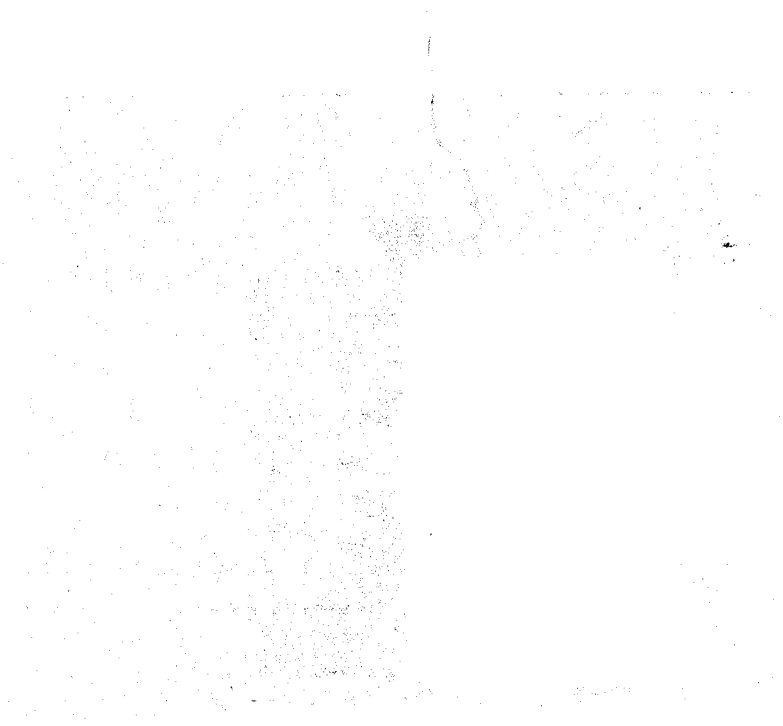
#### ४.५ आश्रमशाळेतील शिक्षक संख्या

पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांमध्ये एकूण २१९ शिक्षक संख्या आहे. त्यापैकी १६२ शिक्षक व ५७ शिक्षिका आहेत. ९ शासकीय आश्रमशाळांमध्ये एकूण १०२ शिक्षक संख्या आहे. त्यापैकी ६६ शिक्षक असून, ३६ शिक्षिका आहेत. तर १३ अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये एकूण ११७ शिक्षक संख्या असून, त्यातील ९५ शिक्षक व २२ शिक्षिका आहेत.

तक्ता ११

शिक्षक

| आश्रम शाळा  | एकूण शिक्षक |           |            | एकूण विद्यार्थी संख्या | एका शिक्षकामागे विद्यार्थी |
|-------------|-------------|-----------|------------|------------------------|----------------------------|
|             | पु.         | म.        | एकूण       |                        |                            |
| शासकीय      | ६६          | ३६        | १०२        | ३९०२                   | ३८                         |
| अनुदानित    | ९५          | २२        | ११७        | ४५७४                   | ३९                         |
| <b>एकूण</b> | <b>१६१</b>  | <b>५८</b> | <b>२१९</b> | <b>८४७६</b>            | <b>३९</b>                  |



Faint, illegible text or markings located in the lower-middle section of the page. The characters are too light and blurry to be transcribed.

## शासकीय आश्रमशाळेतील शिक्षक व विद्यार्थी प्रमाण

९ शासकीय आश्रमशाळांमध्ये ३,९०२ विद्यार्थी असून, शिक्षक संख्या १०२ आहे. म्हणजेच शासकीय आश्रमशाळांमध्ये ३८ विद्यार्थ्यांमागे १ शिक्षक असे प्रमाण असल्याचे आढळते.

## अनुदानित आश्रमशाळेतील शिक्षक व विद्यार्थी प्रमाण

१३ अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये ४,५७४ विद्यार्थी असून, तेथे ११८ शिक्षक कार्यरत आहेत. म्हणजेच अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये ३९ विद्यार्थ्यांमागे १ शिक्षक असे प्रमाण असल्याचे आढळते.

थोडक्यात शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये विद्यार्थी व शिक्षक यांचे परस्परांशी असलेले प्रमाण साधारणपणे सारखेच आहे.

## शिक्षकांचा अनुभव

पाहणी केलेल्या ९ शासकीय व १३ अनुदानित आश्रमशाळेतील एकूण २१९ शिक्षक संख्येपैकी १ वर्ष अनुभव असलेले १३ शिक्षक असून, २ वर्षांचा अनुभव असलेले १८ शिक्षक आहेत. तर ३ वर्षांचा अनुभव असलेले १ शिक्षक असून, १८७ शिक्षकांना ३ वर्षांपेक्षा जास्त अनुभव आहे.

## तक्ता १२

### अनुभवानुसार शिक्षकांचे वर्गीकरण

|             | १ वर्ष<br>अनुभव | २ वर्षे<br>अनुभव | ३ वर्षे<br>अनुभव | ३ वर्षांपेक्षा जास्त<br>अनुभव | एकूण<br>शिक्षक |
|-------------|-----------------|------------------|------------------|-------------------------------|----------------|
| एकूण शिक्षक | १३              | १८               | १                | १८७                           | २१९            |



## प्रशिक्षित शिक्षक

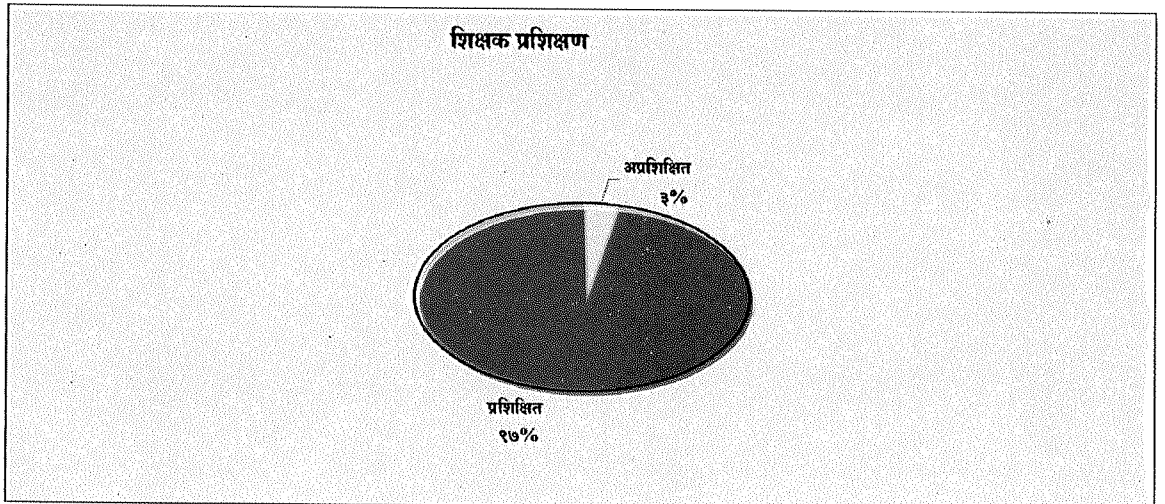
एकूण २१९ शिक्षकांपैकी २१२ शिक्षक प्रशिक्षित असून, फक्त ७ शिक्षक अप्रशिक्षित आहेत. शिक्षकांचे प्रशिक्षित असण्याचे प्रमाणात फार मोठी वाढ झाली असून, प्रशिक्षित शिक्षकांचे प्रमाण ९७ % आहे. शासकीय आश्रमशाळांमध्ये प्रशिक्षणाखेरीज शिक्षक घेतले जात नाहीत. मात्र अनुदानित शाळांमध्ये काही शिक्षक अप्रशिक्षित असल्याचे आढळते.

२१२ प्रशिक्षित शिक्षकांमध्ये ११२ शिक्षक प्रशिक्षणाची पदवी घेतलेले आहेत तर १०० शिक्षकांनी प्रशिक्षणाची पदविका प्राप्त केलेली आहे.

### तक्ता १३

#### प्रशिक्षित शिक्षक

| एकूण शिक्षक | शिक्षक      |            |            |                 |             |
|-------------|-------------|------------|------------|-----------------|-------------|
|             | अप्रशिक्षित | प्रशिक्षित |            | एकूण प्रशिक्षित | एकूण शिक्षक |
|             |             | पदविका     | पदवी       |                 |             |
| शासकीय      | -           | ४४         | ५८         | १०२             | १०२         |
| अनुदानित    | ७           | ५६         | ५४         | ११०             | ११७         |
| <b>एकूण</b> | <b>७</b>    | <b>१००</b> | <b>११२</b> | <b>२१२</b>      | <b>२१९</b>  |





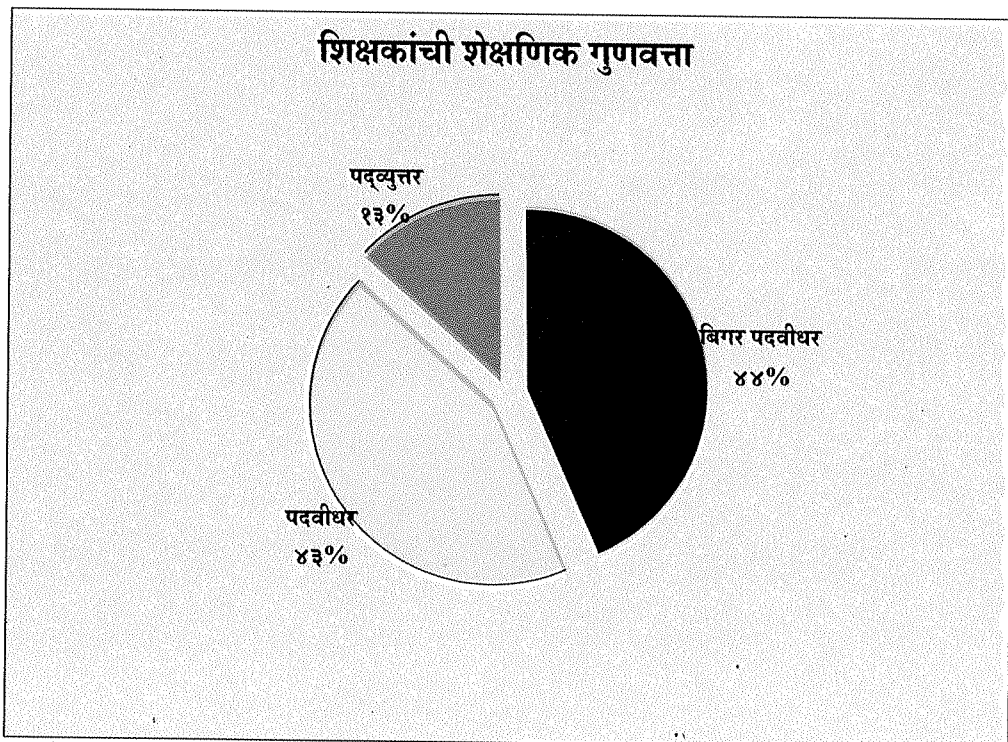
## शिक्षकांचे शैक्षणिक पात्रतेनुसार वर्गीकरण

एकूण २२ आश्रमशाळांमध्ये कार्यरत असलेल्या २१९ शिक्षकांपैकी ९५ शिक्षक पदवीधर नाहीत. हे प्रमाण ४३ % आहे. उर्वरित १२४ शिक्षकांपैकी ९५ शिक्षक पदवीधर असून, २९ शिक्षकांनी पदव्युत्तर शिक्षण घेतले आहे. पदव्युत्तर शिक्षण घेतलेल्या शिक्षकांचे प्रमाण १४ % असून, ४३ % शिक्षक पदवीधर आहेत. थोडक्यात बिगर पदवीधर व पदवीधर यांचे प्रमाण सारखेच आहे. मात्र पदव्युत्तर पदवी घेतलेल्या शिक्षकांचे प्रमाण कमी आहे.

### तक्ता १४

#### शिक्षकांचे शिक्षणानुसार वर्गीकरण

| एकूण शिक्षक | बिगर पदवी | पदवीधर | पदव्युत्तर | एकूण |
|-------------|-----------|--------|------------|------|
| शासकीय      | ३१        | ५६     | १५         | १०२  |
| अनुदानित    | ६४        | ३९     | १४         | ११७  |
| एकूण        | ९५        | ९५     | २९         | २१९  |







## शिक्षण शाखेनुसार शिक्षकांचे वर्गीकरण

पदवीधर ९५ शिक्षकांपैकी जास्तीत-जास्त म्हणजेच ६६ शिक्षक कला शाखेचे असून, हे प्रमाण ७० % आहे. त्याखालोखाल २८ शिक्षकांनी शास्त्र शाखेचे शिक्षण घेतलेले आहे. त्याचे प्रमाण २९ % आहे. केवळ १ शिक्षक वाणिज्य शाखेचे शिक्षण घेतलेले असून, त्याचे प्रमाणही १ % आहे.

पदव्युत्तर शिक्षणामध्ये तर २९ शिक्षकांपैकी २५ म्हणजे ८७ % शिक्षक कला शाखेचे आहेत तर एका शिक्षकानी वाणिज्य शाखेतील शिक्षण घेतले आहे. हे प्रमाण ३ % आहे. तर शास्त्र शाखेचे पदव्युत्तर शिक्षण ३ शिक्षकांनी घेतले आहे व हे प्रमाण १० % आहे.

वाणिज्य शाखेचे विद्यार्थी शिक्षकी पेशाकडे फारसे वळत नाहीत असे यावरून स्पष्ट होते. कला शाखेचे शिक्षक सर्वात जास्त असून, शास्त्र शाखेचे शिक्षक त्यामानाने कमी आहेत. एकूण २२ आश्रमशाळांपैकी १७ शाळा माध्यमिक वा त्यापुढचे शिक्षण देणाऱ्या आहेत व १७ शाळांमध्ये ३१ शिक्षकांनी शास्त्र शाखेचे शिक्षण घेतले आहे. म्हणजेच शास्त्र विषयाचे शिक्षण घेणाऱ्या ५,१४९ विद्यार्थ्यांसाठी गणित व शास्त्र विषयासाठी फक्त ३१ शिक्षक असून, १६६ विद्यार्थ्यांमागे १ शास्त्र शिक्षक असे हे प्रमाण पडते.

### तक्ता १५

#### शिक्षण शाखेनुसार शिक्षक

| एकूण शिक्षक | कला       | वाणिज्य  | शास्त्र   | एकूण       |
|-------------|-----------|----------|-----------|------------|
| पदवीधारक    | ६६        | १        | २८        | ९५         |
| पदव्युत्तर  | २५        | १        | ३         | २९         |
| <b>एकूण</b> | <b>९१</b> | <b>२</b> | <b>३१</b> | <b>१२४</b> |

अन्यथा सर्व विद्यार्थी व सर्व विषय शिक्षकांची संख्या विचारात घेता ३८ विद्यार्थ्यांमागे १ शिक्षक असे प्रमाण आढळते. परंतु ही सर्वसाधारण स्थिती आहे. फक्त शास्त्र विषय शिकविणाऱ्या शिक्षकांच्या संख्येत विद्यार्थी संख्या लक्षात घेता हे प्रमाण ६ ते ७ पट जास्त असल्याचे दिसून येते.

शास्त्र व गणित या विषय शिक्षकांची निकडीनुसार भरती करणे आवश्यक आहे. म्हणजे विद्यार्थ्यांचे शास्त्र व गणित हे दोन्ही विषय कच्चे राहण्याचे प्रमाण घटेल.

१६ माध्यमिक शाळात इयत्ता ८ वी ते १० वी चे एकूण ४७ वर्ग आहेत.





२२ आश्रमशाळेतील एकूण २१९ कार्यरत शिक्षकांपैकी अनुसूचित जातीचे २८ शिक्षक असून, अनुसूचित जमातीचे ३२ शिक्षक आहेत. इतर ह्या गटात १५९ शिक्षक असून, त्यांचे प्रमाण सर्वात जास्त म्हणजे ७३ % आहे. अनुसूचित जाती-जमातीच्या २७ % मध्ये १५ % अनुसूचित जमातीचे व १२ % अनुसूचित जातीचे शिक्षक आहेत.

खरेतर आश्रमशाळांची स्थिती पाहता आदिवासी विद्यार्थ्यांविषयी अधिक जाण असलेल्या आदिवासी शिक्षकांचे प्रमाणात फार मोठी वाढ होणे आवश्यक आहे. आदिवासी विद्यार्थ्यांच्या जीवनाची त्यांना अधिक चांगली समज असते. शिक्षण घेत असतेवेळी येणाऱ्या अडीअडचणीशी आदिवासी शिक्षकांनी स्वतःच्या आयुष्यात संघर्ष केलेला असल्याने अशा अडचणी सोडविण्याची आस्था व त्या संदर्भातील उपाय आदिवासी शिक्षकांकडे जास्त प्रमाणात असण्याची मोठी शक्यता असते व सर्वात महत्त्वाचे म्हणजे आदिवासी विद्यार्थ्यांची बोलीभाषा अवगत असल्याने किंवा अवगत करणे त्यांना सहज सुलभ असल्याने आदिवासी विद्यार्थ्यांशी जवळीक साधणे आदिवासी शिक्षकांना सहज शक्य होते.

ह्यासाठी शासनाच्या आरक्षणाच्या सर्वसाधारण कायद्यात आश्रमशाळांसाठी बदल करून आदिवासी शिक्षकांचे प्रमाण वाढविले पाहिजे असे वाटते.



## तक्ता १६

### शिक्षकांचे जाती/जमातीनिहाय वर्गीकरण

| एकूण शिक्षक | अनुसूचित जाती | अनुसूचित जमाती | इतर        | एकूण       |
|-------------|---------------|----------------|------------|------------|
| शासकीय      | १०            | १८             | ७४         | १०२        |
| अनुदानित    | १८            | १४             | ८५         | ११७        |
| <b>एकूण</b> | <b>२८</b>     | <b>३२</b>      | <b>१५९</b> | <b>२१९</b> |

शासनाच्या सर्व साधारण आरक्षणाच्या नियमानुसार शासकीय आश्रमशाळातील एकूण २१९ शिक्षकांपैकी १३ % शिक्षक अनुसूचित जातीचे व ७ % शिक्षक अनुसूचित जमातीचे असणे आवश्यक होते. म्हणजेच २८ अनुसूचित जातीचे व १५ अनुसूचित जमातीचे शिक्षक असणे आवश्यक होते. त्यापेक्षा जास्तच शिक्षक अनुक्रमे अनुसूचित जातीचे व जमातीचे आहेत पण तरीही अनुसूचित जमातीच्या शिक्षकांचे आरक्षण वाढवावे असे वाटते.

### पुरस्कारप्राप्त शिक्षक

सर्वेक्षण केलेल्या २२ आश्रमशाळांपैकी ३ आश्रमशाळांमधील ३ शिक्षकांना विशेष पुरस्कार मिळाले आहेत. त्या ३ आश्रमशाळांपैकी २ आश्रमशाळा शासनाच्या असून, १ आश्रमशाळा अनुदानित आहे.

### समाधानी शिक्षक

पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांमधील सर्व शिक्षकांना विचारणा केली असता, एखाद-दोन अपवादात्मक शिक्षक वगळता सर्व शिक्षकांनी जिथे नियुक्ती आहे तेथे समाधानी असल्याचे सांगितले. परंतु वस्तुस्थिती सांगण्यास शिक्षकांनी टाळाटाळ केली असे त्यांचेशी केलेल्या सर्वसाधारण चर्चेतून लक्षात आले. तरी स्वतःच्या जिल्ह्यात त्यांच्या नेमणुका केल्यास ते शाळेच्या कामात अधिक रस घेऊ शकतील असे लक्षात आले.

### ४.६ निवासस्थाने

शिक्षकांना चांगल्या दर्जाची शासकीय निवासस्थाने उपलब्ध होणे गरजेचे आहे. शासकीय निवासस्थानात स्वच्छतागृहे, पाणीपुरवठा, वीज इत्यादी मूलभूत सुविधा चांगल्या असल्यास शिक्षक तेथे समाधानाने राहण्यास उद्युक्त होतील.

सद्यःस्थितीत पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांपैकी १४ आश्रमशाळांमधील शिक्षकांना शासकीय निवासस्थाने उपलब्ध आहेत. शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये दोन्ही ठिकाणी ही परिस्थिती सारखीच आहे. मात्र उपलब्ध असलेल्या निवासस्थानांचा दर्जा अत्यंत निकृष्ट आहे. त्यामुळे निवासस्थानांअभावी शिक्षक शाळेचे ठिकाणी राहत नाहीत. त्यामुळे शाळेच्या वेळानंतर विद्यार्थी मोक्यात सुटतात. नाशिक जिल्ह्यातील शासकीय शाळा तोरंगण येथे ही स्थिती आढळली. मुलांच्या वसतिगृहाला भेट दिली असता विद्यार्थी कुंपणावरून पळून गेल्याचे समजले. मुलींच्या सोबतीस अधीक्षकही नव्हते.

दर्जेदार निवासस्थानांच्या सुविधेमुळे ह्या स्थितीत निश्चित फरक पडेल असे शिक्षकांशी केलेल्या चर्चेअंती निदर्शनास आले. किमान, माध्यमिक शाळा असलेल्या आश्रमशाळांच्या निवासस्थानांचा दर्जा प्राधान्याने सुधारल्यास, शिक्षकांची स्वतःची मुले १०वी पर्यंतचे शिक्षण त्याच शाळेत घेऊ शकत असल्याने व त्यानंतरचे शिक्षण घेण्यासाठी दूर जाण्यास मुले तोपर्यंत पुरेशी मोठी झाल्याने शिक्षकांच्या शाळेत रहाण्याच्या प्रमाणात निश्चित फरक पडेल.

तसेच निवासी विद्यार्थ्यांची सकाळी व रात्री अशी २ वेळा हजेरी घेणे आवश्यक आहे.

#### ४.७ इमारतींची स्थिती

एकूण पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांपैकी १८ आश्रमशाळांच्या इमारतींचे बांधकाम पक्क्या स्वरूपाचे असून, २ शाळांची इमारत निम्न कच्ची आहे. तर २ शाळांची इमारत अर्धी कच्ची व अर्धी पक्की आहे.

एकूण ९ शासकीय आश्रमशाळांपैकी फक्त एका आश्रमशाळेची इमारत कच्ची आहे. ह्या शाळेला पक्क्या भिंती नाहीत. शाळेला कुडाच्या भिंती आहेत. ही शाळा सन २००४ मध्ये स्थापन झाली असून, ४ वर्षे झाली आहेत. इतर सर्व शासकीय आश्रमशाळा पक्क्या स्वरूपाच्या आहेत.

१३ अनुदानित आश्रमशाळांपैकी ३ शाळांची इमारत पक्क्या स्वरूपाची नाही. अर्थात ती पूर्ण कच्चीही नाही.

#### शाळेतील वर्गखोल्या

पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांमध्ये एकूण ८,४७६ विद्यार्थी असून, एकूण १८४ वर्गखोल्या आहेत. म्हणजेच सरासरी ४६ विद्यार्थ्यांसाठी १ वर्गखोली उपलब्ध आहे. मात्र वर्गखोल्यांचा आकार ४६ विद्यार्थी व्यवस्थित बसू शकतील एवढा मोठा नाही विद्यार्थ्यांना दाटीवाटीने बसावे लागते.

अमरावती जिल्ह्यातील ३ शासकीय आश्रमशाळांमध्ये एका वर्गखोलीत २ वर्ग घेतले जातात. (१) शा. आ. शा. चौराकुंड, ता. धारणी येथे इयत्ता १ ली ते इयत्ता ५ वी पर्यंतची शाळा आहे. वर्गखोल्या मात्र २ च आहेत. शाळेचे बांधकामही कच्चे आहे. (२) शासकीय माध्यमिक आश्रमशाळा टेंबुसोडा, तालुका चिखलदरा येथे वर्ग तुकड्या असल्याने १५ वर्गखोल्यांची आवश्यकता असताना फक्त ११ वर्गखोल्या उपलब्ध आहेत. (३) शासकीय माध्यमिक आश्रमशाळा रायपूर, तालुका चिखलदरा आश्रमशाळा ही इयत्ता १० वी पर्यंत असून, वर्गखोल्या फक्त ६ च आहेत. इयत्तांच्या मानाने वर्गखोल्यांची कमतरता मुख्यत्वेकरून शासकीय आश्रमशाळांमध्येच आढळली. तसेच रायपूर व टेंबुसोडा येथील आश्रमशाळेत ८० विद्यार्थ्यांमागे १ वर्गखोली उपलब्ध आहे.

एकाच वर्गखोलीत वेगवेगळ्या २ इयत्तांची मुले बसत असल्यामुळे विद्यार्थी व शिक्षक दोघांचेही लक्ष विचलीत होते. या विद्यार्थ्यांना एकाग्रपणे अभ्यास करणे अवघड जाते. त्याचा परिणाम विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक गुणवत्तेवर निश्चितच होतो.

तसेच कच्च्या स्वरूपाच्या बांधकामामुळे सर्वच ऋतूत विशेषतः पावसाळ्यात विद्यार्थ्यांचे हाल होतात. विद्यार्थी आजारी पडण्याचे प्रमाण वाढते.

शासनाने आश्रमशाळांच्या इमारतीकडे अधिक लक्ष देणे गरजेचे आहे.

### तक्ता १७

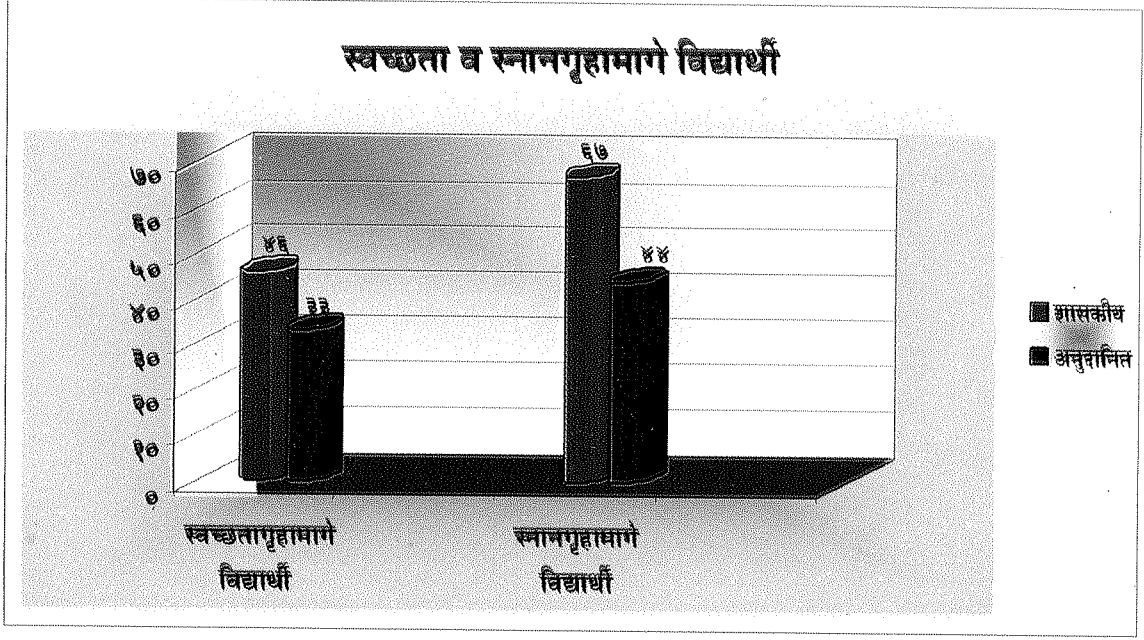
#### शाळेतील वर्ग खोल्या

| एकूण वर्ग खोल्या | एकूण वर्ग (तुकड्यांसहित) | एकूण वर्ग खोल्या | एकूण विद्यार्थी | एका खोलीमागे विद्यार्थी |
|------------------|--------------------------|------------------|-----------------|-------------------------|
| शासकीय           | ९०                       | ८१               | ३९०२            | ४८                      |
| अनुदानित         | ११८                      | १०३              | ४५७४            | ४४                      |
| एकूण             | २०८                      | १८४              | ८४७६            | ४६                      |





## स्वच्छतागृहे



२२ आश्रमशाळेच्या एकूण ८,४७६ विद्यार्थ्यांसाठी २२२ स्वच्छतागृहे व १६ स्नानगृहे बांधलेली आहेत. खालील ८५ स्वच्छतागृहे शासकीय व १३७ स्वच्छतागृहे अनुदानित शाळात असल्याचे आढळले. तसेच ५८ स्नानगृहे शासकीय व १०४ स्नानगृहे अनुदानित शाळात असल्याचे आढळले. ३८ विद्यार्थ्यांमागे १ स्वच्छतागृह असे प्रमाण असून ५२ विद्यार्थ्यांमागे १ असे स्नानगृहाचे प्रमाण आहे. शासकीय शाळांपेक्षा अनुदानित शाळात स्वच्छतागृहांची व स्नानगृहांची संख्या जास्त आहे. बऱ्याचवेळा आश्रमशाळातील आदिवासी विद्यार्थ्यांना नदीवर / उघड्यावर शौचाला किंवा स्नानाला जाणे अप्रशस्त वाटत नसले तरी हे विधी बंदिस्त जागेत करण्याच्या महत्त्वाची त्यांना जाणीव करून देऊन, त्यांच्या मनावर ते बिंबवणे आवश्यक आहे.

आश्रमशाळातील स्वच्छतागृहे व स्नानगृहांच्या सोई अत्यंत अपुऱ्या असून कित्येक स्नानगृहांची फरशी उखडलेली आहे. दरवाजे लागत नाहीत. त्यांच्या कड्या उचकटलेल्या असून लाकडी दारे तुटलेली आहेत. कित्येक स्वच्छतागृहात पाणी नाही. रायपूर येथील शासकीय आश्रमशाळेत मुलींसाठी स्वच्छतागृहे वसतिगृहापासून बाजूला असून रात्री-बेरात्री मुलींना स्वच्छतागृहांचा वापर करणे गैरसोईचे व असुरक्षित आहे. पाण्याच्या अभावी स्वच्छता गृहे निरुपयोगी ठरतात. ह्या सर्व बाबी विद्यार्थ्यांच्या आरोग्यावर परिणाम करतात. ह्या बाबतीत शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांचा दर्जा बराचसा सारखाच आहे. खरेतर ह्या स्वच्छतागृहात गलिच्छ घाणीचे साम्राज्यच असल्याचे आढळते. सायन्सच्या व नागरिक शास्त्राच्या पुस्तकातून स्वच्छतेचे धडे देणाऱ्या शिक्षणसंस्थांतील स्वच्छतागृहांची ही किळसवाणी स्थिती ही शरमेची बाब आहे. ह्यासाठी आदिवासींच्या नव्हे तर आधी संस्थाचालकांमध्ये आरोग्य जाणिव व जागृतीची नितांत गरज आहे.



स्वच्छतागृहे व स्नानगृहे

| एकूण आश्रमशाळा | एकूण विद्यार्थी | एकूण स्वच्छतागृहे | स्वच्छतागृहांमागे एकूण विद्यार्थी | स्नानगृहे | प्रमाण |
|----------------|-----------------|-------------------|-----------------------------------|-----------|--------|
| शासकीय         | ३९०२            | ८५                | ४६                                | ५८        | ६७     |
| अनुदानित       | ४५७४            | १३७               | ३३                                | १०४       | ४४     |
| एकूण           | ८४७६            | २२२               | ३८                                | १६२       | ५२     |

### ४.८ अग्निशामक यंत्रणा

पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांपैकी एकाही आश्रमशाळेत अग्निशामक यंत्रणेची सोय नाही. ही गंभीर बाब आहे व ही व्यवस्था पुरविणे अतिशय आवश्यक आहे असे वाटते.

### ४.९ बेंचेसची व्यवस्था

एकूण २२ आश्रमशाळांपैकी ११ शाळांमध्ये बेंचेसची सोय नाही. ९ शासकीय आश्रमशाळांपैकी फक्त एका शाळेत बेंचेसची सोय नाही व हे प्रमाण ११ % आहे. उर्वरित सर्व शासकीय आश्रमशाळेत बेंचेसची व्यवस्था आहे. मात्र बऱ्याच शाळेत ही सोय इयत्ता ५ वी पासून पुढे तर काही शाळांमध्ये इयत्ता ८ वी व त्यापुढील वर्गांसाठी बेंचेसची व्यवस्था केली असल्याचे दिसून आले. १३ अनुदानित आश्रमशाळांपैकी १० आश्रमशाळांमध्ये बेंचेस नाहीत. म्हणजेच ७७ % शाळांमध्ये बेंचेसची व्यवस्था नसल्याचे दिसून येते.

जिथे बेंचेस उपलब्ध नाहीत, तिथे बस्करांची व आसनपट्ट्यांची सोय केलेली असली पाहिजे. परंतु २२ पैकी ६ आश्रमशाळांमध्ये आसनपट्ट्या व बस्कर नाहीत. विद्यार्थी जमिनीवर बसतात. त्यात चौराकुंड येथील शासकीय आश्रमशाळेचा समावेश असून, इतर सर्व म्हणजे ५ अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये विद्यार्थ्यांच्या बैठकीची व्यवस्था नाही. म्हणजेच एकूण अनुदानित आश्रमशाळांपैकी ३८ % आश्रमशाळांत बैठकीची कसलीच व्यवस्था नाही.

थोडक्यात शासकीय आश्रमशाळांमध्ये बेंचेसच्या व्यवस्थेचे प्रमाण चांगले म्हणजे ८९ % आहे तर अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये हेच प्रमाण केवळ २३ % आहे.

तक्ता १९

बेंचेसची व्यवस्था

| एकूण आश्रमशाळा | बेंचेस असलेल्या | बेंचेस नसलेल्या | बेंचेस व बैठकीची व्यवस्था नसलेल्या आश्रमशाळा | एकूण |
|----------------|-----------------|-----------------|--|------|
| शासकीय         | ८               | १               | १  | ९    |
| अनुदानित       | ३               | १०              | ५  | १३   |
| एकूण           | ११              | ११              | ६  | २२   |

४.१० क्रीडांगण

एकूण २२ आश्रमशाळांपैकी २ आश्रमशाळांना क्रीडांगणासाठी मोकळी जागा नाही व या दोन्ही आश्रमशाळा शासकीय आहेत. सर्व अनुदानित आश्रमशाळांना क्रीडांगणाची सोय आहे.

तक्ता २०

क्रीडांगण

| एकूण आश्रमशाळा | क्रीडांगण असलेल्या | क्रीडांगण नसलेल्या | एकूण |
|----------------|--------------------|--------------------|------|
| शासकीय         | ७                  | २                  | ९    |
| अनुदानित       | १३                 | -                  | १३   |
| एकूण           | २०                 | २                  | २२   |

४.११ पाणीपुरवठा

वर्षभर अपुरा पाणीपुरवठा असणाऱ्या शाळांची संख्या ५ असून, ११ आश्रमशाळांमध्ये वर्षभरातील काही काळ पाणीपुरवठा अपुरा असतो. ६ आश्रमशाळांमध्ये पाणीपुरवठ्याबाबत अडचण उद्भवत नाही व त्या सर्व अनुदानित आहेत. म्हणजेच ४६ % अनुदानित आश्रमशाळात वर्षभर पाणीपुरवठा होतो.

वर्षभर अपुरा पाणीपुरवठा असलेल्या ५ आश्रमशाळांपैकी एकच आश्रमशाळा शासकीय आहे व उरलेल्या ४ आश्रमशाळा अनुदानित आहेत. म्हणजेच ३१ % अनुदानित आश्रमशाळांना वर्षभर पाणीपुरवठ्याच्या समस्येला तोंड द्यावे लागते.

९ शासकीय आश्रमशाळांपैकी ८ आश्रमशाळांना तर अनुदानित १३ आश्रमशाळांपैकी ३ आश्रमशाळांना या वर्षभरातील काही काळ पाणीपुरवठ्याचा प्रश्न भेडसावतो. ह्याचा अर्थ सर्वच्या सर्व शासकीय आश्रमशाळांना पाणीपुरवठ्याच्या समस्येला तोंड द्यावे लागते.

## तक्ता २१

### पाणीपुरवठा

| एकूण आश्रमशाळा | पाणीपुरवठा वर्ष/महिने    | वर्षभर अपुरा पुरवठा      | काही काळ अपुरा पाणीपुरवठा | एकूण      |
|----------------|--------------------------|--------------------------|---------------------------|-----------|
| शासकीय         | -<br>(०%)                | १<br>(११%)               | ८<br>(८९%)                | ९         |
| अनुदानित       | ६<br>(४६%)               | ४<br>(३१%)               | ३<br>(२३%)                | १३        |
| <b>एकूण</b>    | <b>६</b><br><b>(२८%)</b> | <b>५</b><br><b>(२२%)</b> | <b>११</b><br><b>(५०%)</b> | <b>२२</b> |

### पाणीपुरवठा स्रोत

६४ % म्हणजे १४ आश्रमशाळांमध्ये विहीर असून, नदीच्या पाण्याचा उपयोग एका आश्रमशाळेकडून केला जातो. ६ आश्रमशाळात विंधनविहिरी असून, ४ आश्रमशाळांना बंद नळाने पाणीपुरवठा करण्यात येतो. विंधन विहिरींवर हातपंप बसविलेले आहेत.

रायपूर, तालुका चिखलदरा, जिल्हा अमरावती ह्या शासकीय आश्रमशाळेत बैलगाडीने पाणी आणले जाते. तर पिंपळवटी, तालुका दिंडोरी, जिल्हा नाशिक ह्या अनुदानित आश्रमशाळेत टँकरने पाणी आणले जाते.

जरी आश्रमशाळांमध्ये विहीर वा इतर पाणीपुरवठ्याचे साधन असले तरी ज्या आश्रमशाळांजवळ नदी असेल तेथे नदीच्या पाण्याचा वापर केला जातो. कारण विहीर/विंधन विहिरीतून पुरेसा पाणीपुरवठा होतोच असे नाही. शिवाय विहीर/विंधन विहिरीतून पाणी उपसावे लागते.

तक्ता २२

पाणीपुरवठा स्रोत

| एकूण आश्रमशाळा | विहिरी    | नळ       | तलाव     | विंधन विहिरी | नदी      | ओढा      |
|----------------|-----------|----------|----------|--------------|----------|----------|
| शासकीय         | ५         | २        | -        | ३            | २        | -        |
| अनुदानित       | ९         | २        | -        | ३            | १        | -        |
| <b>एकूण</b>    | <b>१४</b> | <b>४</b> | <b>-</b> | <b>६</b>     | <b>३</b> | <b>-</b> |

४.१२ आरोग्य सुविधा

सर्वच्या सर्व २२ आश्रमशाळांमध्ये प्रथमोपचार साहित्य उपलब्ध असल्याचे आढळले.

आवश्यक औषधेही सर्व आश्रमशाळांमध्ये उपलब्ध होती मात्र २२ पैकी ६ शाळांमध्ये विद्यार्थ्यांची शारीरिक तपासणी संपूर्ण वर्षात झालेली नाही. आरोग्य पथक वर्ष वर्ष शाळेकडे फिरकत नाही. तसेच खंबाळे, तालुका इगतपुरी, जिल्हा नाशिक या आश्रमशाळेत विद्यार्थ्यांच्या आरोग्य तपासणीसाठी प्राथमिक आरोग्य केंद्राच्या वैद्यकीय अधिकाऱ्यांऐवजी नर्स येतात असे समजले. आरोग्य पथकाने भेटी देताना रस्त्यावरच्या शाळांना भेटी देण्याचे प्रमाण बरे असते. पण दुर्गम भागातील शाळांना मात्र भेटी देण्याची टाळाटाळ होते. आरोग्य पथकाच्या भेटी होत नसल्याने विद्यार्थ्यांच्या आरोग्याची जबाबदारी अधीक्षकावरच राहते, की ज्याला प्रथमोपचाराचे केवळ जुजबी ज्ञान असते.

तक्ता २३

आरोग्य तपासणी

| एकूण आश्रमशाळा | आरोग्य तपासणी नियमित होणाऱ्या | आरोग्य तपासणी अनियमित होणाऱ्या | प्रथमोपचार उपलब्ध | एकूण आश्रमशाळा |
|----------------|-------------------------------|--------------------------------|-------------------|----------------|
| शासकीय         | ७                             | २                              | ९                 | ९              |
| अनुदानित       | ९                             | ४                              | १३                | १३             |
| <b>एकूण</b>    | <b>१६</b>                     | <b>६</b>                       | <b>२२</b>         | <b>२२</b>      |

## पाणी निर्जंतुकीकरण

सर्वच्या सर्व २२ आश्रमशाळांमध्ये, ब्लीचिंग पावडर, टीसीएल इत्यादीद्वारे पाणी शुद्धिकरण करण्यात येते. यासाठी आश्रमशाळांना आरोग्यसेवेच्या कर्मचाऱ्यांची चांगली मदत होत असल्याचा निर्वाळा काही आश्रमशाळांच्या मुख्याध्यापकांनी दिला.

## ४.१३ प्रयोगशाळा सुविधा

एखादा अपवाद वगळता आश्रमशाळांमध्ये स्वतंत्र प्रयोगशाळेची व्यवस्था नाही. अनेक आश्रमशाळांमध्ये कपाटात प्रयोगशाळेचे साहित्य ठेवले आहे. माध्यमिक स्तरावरील म्हणजे ८ वी नंतरचे वर्ग ज्या आश्रमशाळेत आहेत, त्यासर्व आश्रमशाळेत प्रयोगशाळेचे साहित्य ठेवलेले आहे. परंतु अनेक ठिकाणी विद्यार्थ्यांना प्रयोगशाळेचे साहित्य हाताळू दिले जात नाही. शिक्षकच प्रयोग करून दाखवत असल्याचे निदर्शनास आले.

तक्ता २४

### प्रयोगशाळा

| एकूण आश्रमशाळा | प्रयोगशाळा साहित्य उपलब्धी | प्रयोगशाळेत स्वतंत्र कक्ष | एकूण      |
|----------------|----------------------------|---------------------------|-----------|
| शासकीय         | ८                          | १                         | ९         |
| अनुदानित       | ९                          | -                         | १३        |
| <b>एकूण</b>    | <b>१७</b>                  | <b>१</b>                  | <b>२२</b> |

## ४.१४ ग्रंथालय सुविधा

चौराकुंड येथील आश्रमशाळा वगळता सर्व आश्रमशाळांमध्ये ग्रंथालय सुविधा आहे. परंतु ग्रंथालयासाठी स्वतंत्र खोली असलेल्या संस्थांची संख्या केवळ ८ (३६ %) आहे. ९ शासकीय आश्रमशाळांपैकी ४ आश्रमशाळेत (४४ %) व १३ अनुदानित आश्रमशाळांपैकी ४ आश्रमशाळेत (३१ %) ग्रंथालयासाठी स्वतंत्र खोली उपलब्ध आहे. अन्यत्र पुस्तके कपाटात ठेवण्यात आली आहेत. क्वचित काही शाळांमध्ये विद्यार्थ्यांना वाचनाची गोडी लावण्याचा प्रयत्न केला जातो. पण सामान्य वाचनासाठी वेगळा वेळ राखून ठेवून सक्ती केली जात नाही. विद्यार्थ्यांनी मागितल्यास त्यांना पुस्तके उपलब्ध करून दिली जातात. असेच सर्वसाधारण चित्र दिसते.

सर्व २२ शाळांच्या ग्रंथालयांची मिळून १९४६६ पुस्तके असून, ८४७६ विद्यार्थी त्याचा वापर करतात. विद्यार्थ्यांच्या दुपटीपेक्षा जास्त पुस्तके आहेत. पुस्तक वाचनाची गोडी मात्र विद्यार्थ्यांना फारशी नाही. तसेच चाकुर्दा येथील अनुदानित शाळेत ग्रंथालय सुविधा नसल्याचे सांगण्यात आले. ही शाळा स्थापन होऊन १० वर्षे झाली असून शाळेत २५० विद्यार्थी आहेत.

#### तक्ता २५

#### ग्रंथालय सुविधा

| एकूण आश्रमशाळा | ग्रंथालय असलेल्या | ग्रंथालयासाठी स्वतंत्र कक्ष असलेल्या | पुस्तकांची संख्या | विद्यार्थ्यांसाठी उपलब्ध पुस्तकांचे प्रमाण |
|----------------|-------------------|--------------------------------------|-------------------|--|
| शासकीय         | ८                 | ४                                    | ५५३८              | १.४२                                       |
| अनुदानित       | १२                | ४                                    | १३९२८             | ३.००                                       |
| <b>एकूण</b>    | <b>२०</b>         | <b>८</b>                             | <b>१९४६६</b>      | <b>२.३०</b>                                |

#### ४.१५ गणवेश वाटप

दोन आश्रमशाळा वगळता उर्वरित सर्व २० आश्रमशाळेतील विद्यार्थ्यांना गणवेश पुरविण्यात आल्याचे व विद्यार्थी गणवेश वापरत असल्याचे आढळले. मात्र २ शासकीय आश्रमशाळेत गणवेश पुरवठा झालेला नाही. शासकीय आश्रमशाळांना विद्यार्थ्यांना सामान ठेवण्यासाठी पेट्या व इतरही सर्व लेखनसामग्री दिलेली आढळते. परंतु काही अनुदानित आश्रमशाळेत मात्र विद्यार्थ्यांना अनेक सुविधांपासून वंचित राहावे लागते. बऱ्याच अनुदानित आश्रमशाळातून गणवेशाचा एकच संच दिला जातो. तसेच वह्या किंवा पुस्तके यापैकी काही दिले जाते व काही आवश्यक बाबी विद्यार्थ्यांना स्वतःला खरेदी कराव्या लागतात.

#### तक्ता २६

#### गणवेश वाटप केलेल्या

| एकूण आश्रमशाळा | गणवेश वाटप केलेल्या | गणवेश वाटप न केलेल्या | एकूण      |
|----------------|---------------------|-----------------------|-----------|
| शासकीय         | ७                   | २                     | ९         |
| अनुदानित       | १३                  | -                     | १३        |
| <b>एकूण</b>    | <b>२०</b>           | <b>२</b>              | <b>२२</b> |



## ४.१६ आश्रमशाळेची वेळ

आश्रमशाळेच्या अनेक विद्यार्थ्यांनी व शिक्षकांनी शाळेची वेळ बदलण्याची मागणी केली. सध्याची वेळ विद्यार्थ्यांना गैरसोईची असून त्यामुळे शिक्षणाची व खाण्याची दोघांचीही दोन्हीची आबाळ होते असे त्यांचे म्हणणे पडले.

## ४.१७ शिक्षकेतर कर्मचारी वर्ग

सर्व २२ शाळात मिळून शिक्षकेतर कर्मचारी म्हणजे स्वयंपाकी, शिपाई व कामाठ्यांची अशी एकूण ४५५ पदे मंजूर असून पैकी ३९८ पदे भरलेली आहेत व ५७ पदे रिक्त आहेत.

## ४.१८ अधीक्षक

शासकीय ९ आश्रमशाळांपैकी ३ आश्रमशाळेत अधीक्षकाचे पद रिक्त आहे. हे प्रमाण ३३ % आहे. तर १ अनुदानित आश्रमशाळेत अधीक्षक पद रिक्त आहे. एखादी नव्याने स्थापन झालेली शाळा वगळता इतर सर्व आश्रमशाळेत ३०० वा त्यापेक्षा जास्त विद्यार्थी आहेत. प्रत्येक शाळेत साधारण १५० च्या आसपास मुले व मुली असतात. मुलांसाठी १ अधीक्षक व मुलींसाठी १ महिला अधीक्षक अशी पदे असणे आवश्यक आहे. ३०० पेक्षा जास्त विद्यार्थी असतील तर त्या प्रमाणात अधीक्षकाची पदे वाढणे गरजेचे आहे. टेम्ब्रुसोंडा या कन्याशाळेत ८०० ते ८५० मुली आहेत व तेथे एकच अधीक्षिका आहे. विद्यार्थ्यांकडे वैयक्तिक लक्ष देता यावे यासाठी अधीक्षकाची पदे वाढविणे व ती सर्व भरणे याबाबीकडे लक्ष देणे आत्यंतिक निकडीचे आहे. तसेच प्रथमोपचार शिक्षणही अधीक्षकांना असल्याखेरीज किशोरवयीन मुलींच्या आरोग्याची काळजी घेणे सहजशक्य नाही. मुलींच्या मासिक पाळीची नोंदवही ठेवणे या सारख्या गंभीर बाबींची दखल त्याखेरीज घेतली जात नाही.

## ४.१९ स्वयंपाकी व कामाठी

स्वयंपाकी व कामाठी यांची पदे सर्वच आश्रमशाळेत भरलेली असल्याचे आढळले.

## ४.२० संगणक

संगणकासाठी स्वतंत्र कक्ष कोणत्याही शाळेत आढळला नाही. २२ पैकी ८ आश्रमशाळेत म्हणजेच ३६ % आश्रमशाळेत संगणक नाहीत. उरलेल्या १४ आश्रमशाळेपैकी ९ (६४ %) आश्रमशाळांमधील संगणक चालू आहेत. उर्वरित आश्रमशाळेतील संगणक बंद आहेत. ९ पैकी ४ आश्रमशाळेत प्रशिक्षक आहेत. थोडक्यात फक्त १८ % आश्रमशाळांमध्ये संगणक व प्रशिक्षक दोन्ही उपलब्ध असल्याने संगणक प्रशिक्षण चालू आहे. ८२ % आश्रमशाळेचे विद्यार्थी संगणक शिक्षणापासून वंचित आहेत.

ज्या १४ आश्रमशाळात संगणक उपलब्ध आहेत, त्या सर्व शाळा मिळून ४३ संगणक आहेत. त्यापैकी २५ संगणक चालू असून उर्वरित बंद आहेत. काही शाळांनी ते दुरुस्तीसाठी पाठविले आहेत तर काही शाळांमध्ये ते धूळ खात पडून आहेत. बंद संगणकही काळजीपूर्वक जपून ठेवलेले नाहीत. ४ आश्रमशाळांमध्ये संगणक प्रशिक्षक आहेत. उरलेल्या शाळांमध्ये संगणकाचे प्रशिक्षित शिक्षक नाहीत. आश्रमशाळांच्या शिक्षकांना संगणक प्रशिक्षण देणे गरजेचे आहे व एका शाळेतील २५ % शिक्षकांना संगणक प्रशिक्षित करणे जरूरीचे आहे. तसेच संगणकासारखी मौल्यवान वस्तू काळजीपूर्वक सांभाळण्याचे आदेश सर्व आश्रमशाळांना देणे आवश्यक आहे.

तसेच आश्रमशाळेतील संगणक विद्यार्थ्यांना हाताळण्यासाठी देणे आवश्यक आहे. काही ठिकाणी त्यांचा वापर फक्त कार्यालयीन कामकाजासाठीच होतो असे आढळले.

### तक्ता २७

#### संगणक

| एकूण आश्रमशाळा | संगणक असलेल्या शाळांची संख्या | संगणक चालू असलेल्या शाळांची संख्या | संगणकांची संख्या | संगणक चालू असलेल्या स्थितीत | संगणक प्रशिक्षण देणाऱ्या शाळा | संगणक नसलेल्या शाळा | संगणक प्रशिक्षण सुरू असलेल्या शाळा % |
|----------------|-------------------------------|------------------------------------|------------------|-----------------------------|-------------------------------|---------------------|--------------------------------------|
| शासकीय         | ९                             | ६                                  | ४                | ३५                          | २१                            | ३                   | ३३                                   |
| अनुदानित       | १३                            | ८                                  | ५                | ८                           | ४                             | ५                   | १३                                   |
| एकूण           | २२                            | १४                                 | ९                | ४३                          | २५                            | ८                   | १८                                   |

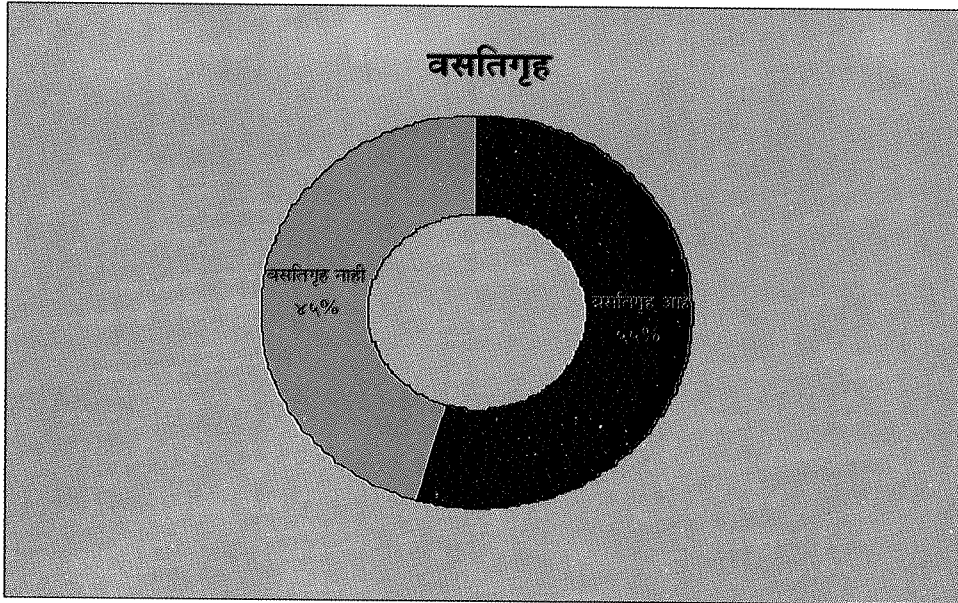
ज्या १४ आश्रमशाळेत संगणक उपलब्ध आहेत त्यापैकी ६ आश्रमशाळा शासकीय आहेत. म्हणजेच ६७ % शासकीय आश्रमशाळेत संगणक आहेत व अनुदानित आश्रमशाळेमध्ये हे प्रमाण ६१ % आहे.

एका प्राथमिक (१ ते ७) आश्रमशाळेत संगणक असून ती आश्रमशाळा अनुदानित आहे. आश्रमशाळेत संगणक उपलब्ध असलेल्या उरलेल्या सर्व १३ आश्रमशाळा माध्यमिक आहेत.

## ४.२१ वसतिगृहांची स्थिती

आश्रमशाळेतील निवासी विद्यार्थ्यांसाठी शाळेत राहण्याची स्वतंत्र व्यवस्था असणे आवश्यक आहे. पाहणी केलेल्या २२ पैकी १० म्हणजे ४५ % आश्रमशाळेमध्ये वसतिगृहे व वर्ग एकाच खोलीत भरविले जातात. ९ शासकीय आश्रमशाळांपैकी ४ म्हणजे ४४ % आश्रमशाळेत वेगळे वसतिगृह नाही. १३ अनुदानित आश्रमशाळांपैकी ६ म्हणजेच ४६ % आश्रमशाळेत वेगळे वसतिगृह नाही. वसतिगृहाची वेगळी सोय नसल्याने बेंचेस व विद्यार्थ्यांच्या पेट्या हे सामानही वर्गखोलीतच ठेवावे लागते व त्यातच वर्ग व झोपणे असे व्यवहार करावे लागतात. बेंचेस असलेल्या वर्गात बेंचेस बाजूला करून झोपणे फारच गैरसोईचे होते.

एकूण ५५ % आश्रमशाळात स्वतंत्र वसतिगृहाची व्यवस्था आहे. एका शासकीय व एका अनुदानित आश्रमशाळेमध्ये फक्त मुलींसाठी वसतिगृह आहे. तेथे मुलांसाठी वसतिगृह नाही. स्वतंत्र वसतिगृहाची जरी ५५ % आश्रमशाळात सोय असली तरी सदरील वसतिगृहांची अवस्थाही शोचनीय आहे.



वसतिगृहामध्ये विद्यार्थ्यांना पुरेशी मोकळी जागा उपलब्ध नाही. वसतिगृहाचे छप्पर गळके आहे. फरशा उखडलेल्या आहेत. स्वच्छतेचा अभाव आहे. स्नानगृहे व स्वच्छतागृहे पाण्याअभावी केवळ अस्वच्छ आहेत असे नव्हे तर काही ठिकाणी गलिच्छ आहेत. पाईप फुटले असल्याने मैला वा सांडपाणी वाहून नेण्याची सर्व व्यवस्था कोलमडलेल्या स्वरूपात आहे. त्याची दुरुस्ती करण्यासाठी पुरेसा निधी व आस्था दोन्हीचाही अभाव आहे. सर्वच स्तरावरील या संदर्भातील उदासीनतेमुळे स्वच्छतेसंबंधी फक्त घोषणाच होतात व वास्तवातील चित्र अगदीच विपरीत दिसते.

या बाबीसंदर्भात शासकीय व अनुदानित दोन्ही प्रकारच्या आश्रमशाळा एकाच पातळीवर आहेत.



वसतिगृहानुसार वर्गीकरण

| एकूण आश्रमशाळा | स्वतंत्र वसतिगृह | वर्गातच निवाससोय | एकूण |
|----------------|------------------|------------------|------|
| शासकीय         | ५ (५६%)          | ४ (४४%)          | ९    |
| अनुदानित       | ७ (५४%)          | ६ (४६%)          | १३   |
| एकूण           | १२ (५५%)         | १० (४५%)         | २२   |

४.२२ भोजन सुविधा

आश्रम शाळेमध्ये विद्यार्थ्यांना निवासी सुविधेमुळे भोजन पुरविण्याची सोय केलेली असते. त्या अनुषंगाने पाहणी केलेल्या आश्रमशाळेतील कोठी, कोठीतील वाणसामान, भाजीपाला, विद्यार्थ्यांना वाढलेले जेवण, स्वयंपाक घरातील स्वच्छता व पुरविण्यात येणाऱ्या मालाचा दर्जा या सर्व बाबींची पाहणी केली असता शासकीय आश्रमशाळेत विद्यार्थ्यांच्या भोजन सुविधेकडे गांभीर्याने पाहिले जाते. पण अनुदानित आश्रमशाळेत मात्र या बाबींची हेळसांड केली जाते. असे सर्वसाधारण चित्र आढळले.

एकूण २२ आश्रमशाळांपैकी १२ (५४ %) आश्रमशाळेतील भोजनाची सुविधा चांगली आहे. त्यापैकी शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळांचा निम्मा निम्मा हिस्सा आहे. पण एकूण शासकीय आश्रमशाळांपैकी ६७ % शाळांतील भोजन सुविधा चांगली असून अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये हे प्रमाण ४६ % आहे. उर्वरित म्हणजे ३३ % शासकीय आश्रमशाळेतील भोजन सुविधा ठीक आहे. तर अनुदानित आश्रमशाळेत भोजन सुविधा ठीक असण्याचे प्रमाण १५ % असले तरी ३९ % अनुदानित आश्रमशाळेत भोजनाची व्यवस्था अपुरी आहे. ह्या अनुदानित आश्रमशाळात भाजीपाला आठवड्यातून केवळ १/२ दिवसांसाठी आणला जातो. वापरातील मालाचा दर्जा चांगला नसतो. विद्यार्थ्यांना नाष्टा दिला जात नाही. अमरावती जिल्ह्यातील धारणी तालुक्यातील चाकुर्दा येथील अनुदानित आश्रमशाळेत रोज विद्यार्थ्यांना फक्त २ वेळा जेवण दिले जाते. त्यात भाजीचा समावेश नसतो व भाजीसाठी रोज १००० रुपयांचा खर्च मात्र होतो ही बाब मुख्याध्यापकांकडून मान्यही करण्यात येते. या शाळेतील विद्यार्थी दुपारचे भोजन मिळेपर्यंत उपाशीच असतात. ही आश्रमशाळा रस्त्यावरच असून धारणी प्रकल्प कार्यालयापासून फक्त १५ कि. मी. वर आहे.

दर १५ दिवसांनी केंद्रप्रमुखांकडून आश्रमशाळांची तपासणी करण्यात येत असताना अशा बाबी केंद्रप्रमुखांच्या नजरेस येत नसतील हे असंभवनीय वाटते.

दुसरी महत्वाची बाब म्हणजे काही शासकीय आश्रमशाळेत अन्नाचा अपव्यय होतो. विद्यार्थी मनमानेल तसे पानात वाढून घेतात व नकोसे झाले की, बिनदिक्कत फेकून देतात. हे सर्व शिक्षक व अधीक्षकांच्या डोळ्यादेखत चालू असते. पण हे अंगवळणी पडल्याने बोथट झालेल्या जाणिवांना आपण काही आक्षेपार्ह कृती करत आहोत असे वाटतच नाही. ह्याबाबत आणखी एक गोष्ट अशी की शासकीय आश्रमशाळेतील विद्यार्थी काही वेळा अत्यंत क्षुल्लक गोष्टींचा सुद्धा मोठा डांगोरा पिटतात व शिक्षकांना वेठीला धरतात त्यामुळे अन्न वाया गेले तरी चालेल पण विद्यार्थ्यांची कटकट नको अशी शिक्षकांची धारणा होत चालली आहे.

तसेच अनेक आश्रमशाळेतून कडधान्यांचा वापर होतो पण कुठेही कडधान्यांना मोड आणले जात नाहीत. जीवनसत्त्व वाढविणारा हा सोपा उपाय करणे बंधनकारक होणे व त्यासाठी वारंवार जागृती करणे आवश्यक आहे.

### तक्ता २८

#### भोजन सुविधा

| एकूण आश्रमशाळा | भोजन सुविधा उपलब्ध शाळा | समाधानकारक भोजन सुविधा | असमाधानकारक भोजन सुविधा |
|----------------|-------------------------|------------------------|-------------------------|
| शासकीय         | ९                       | ६                      | ३                       |
| अनुदानित       | १३                      | ६                      | ७                       |
| एकूण           | २२                      | १२                     | १०                      |

#### ४.२३ वृत्तपत्रे

एकूण २२ आश्रमशाळांपैकी १४ आश्रमशाळेत वृत्तपत्र येते. ५५ % शासकीय आश्रमशाळेत वृत्तपत्र येत असून अनुदानित शाळेत हे प्रमाण ६९ % आहे.

#### ४.२४ रेडिओ

एकूण २२ पैकी १३ (६० %) आश्रमशाळेत रेडिओ आहे. मात्र ९ शासकीय आश्रमशाळेपैकी केवळ २ (२२ %) आश्रमशाळेत रेडिओ असल्याचे आढळले. एका शासकीय आश्रमशाळेतील रेडिओ नादुरुस्त आहे. ८५ % अनुदानित आश्रमशाळेत रेडिओ आहे.

## ४.२५ टीव्ही

२२ पैकी १५ आश्रमशाळेत टीव्ही असून त्यापैकी फक्त ३ शासकीय आश्रमशाळेत असून उर्वरित १२ टीव्ही अनुदानित आश्रमशाळेत आहेत व हे प्रमाण ९२ % आहे.

थोडक्यात वृत्तपत्रे रेडिओ व टीव्ही या सुविधा शासकीय पेक्षा अनुदानित शाळात मोठ्या प्रमाणात उपलब्ध आहेत.

एका शासकीय आश्रमशाळेत वीज पुरवठा कायमस्वरूपी बंद आहे. वाहतुकीच्या साधनांचा अभाव असल्याने वृत्तपत्रे मिळण्यासारखी परिस्थिती सर्व ठिकाणी नाही. ह्यासाठी सर्व आश्रमशाळात बॅटरीवर चालणारे रेडिओ (ट्रांझिस्टर) उपलब्ध असणे बंधनकारक करून विद्यार्थ्यांना प्रादेशिक व राष्ट्रीय बातम्या ऐकणे व शिक्षकांनी त्या त्यांना समजावून देणे सक्तीचे करावे जेणेकरून विद्यार्थी बाह्य जगाच्या संपर्कात राहतील व त्यांच्या सामाजिक जाणीवा जागृत होण्यास व ज्ञानाच्या कक्षा रुंदावण्यास मदत होईल.

### तक्ता २९

#### वृत्तपत्रे, रेडिओ, टीव्हीची उपलब्धता

|             | एकूण आश्रमशाळा | वृत्तपत्रे | रेडिओ     | टीव्ही    |
|-------------|----------------|------------|-----------|-----------|
| शासकीय      | ९              | ५          | २         | ३         |
| अनुदानित    | १३             | ९          | ११        | १२        |
| <b>एकूण</b> | <b>२२</b>      | <b>१४</b>  | <b>१३</b> | <b>१५</b> |

## ४.२६ क्रीडा साहित्य

एक शासकीय आश्रमशाळा वगळता इतर सर्व आश्रमशाळात क्रीडा साहित्य उपलब्ध आहे. ज्या शासकीय आश्रमशाळेत हे साहित्य उपलब्ध नाही, त्या शाळेला भिंतीही कुडाच्या आहेत. २१ पैकी ४ आश्रमशाळात क्रीडा साहित्य अपूरे आहे व त्यातील ३ शासकीय आहेत.

## ४.२७ कार्यालय कक्ष

कार्यालयासाठी ८६ % आश्रमशाळेत स्वतंत्र कार्यालयीन कक्ष उपलब्ध आहे. केवळ ३ म्हणजे १४ % आश्रमशाळेत कार्यालयासाठी स्वतंत्र कक्ष उपलब्ध नाही. त्यातील एक आश्रमशाळा शासकीय असून २ आश्रमशाळा अनुदानित आहेत. तसेच ज्या ३ आश्रमशाळेत स्वतंत्र कार्यालयीन कक्ष उपलब्ध नाही त्यापैकी २ आश्रमशाळांच्या इमारती भाड्याच्या आहेत. त्यातील एक शासकीय व एक अनुदानित आहे. स्वतःची इमारत असूनही एका अनुदानित आश्रमशाळेत कार्यालयासाठी स्वतंत्र कक्ष उपलब्ध नाही.

## ४.२८ इमारतींची मालकी

आश्रमशाळेच्या इमारतीच्या मालकीबाबत असे दिसते की, ८६ % आश्रमशाळांची स्वतःची इमारत आहे व ३ म्हणजेच १४ % आश्रमशाळा भाड्याच्या इमारतीत आहेत. १५ % अनुदानित आश्रमशाळा भाड्याच्या इमारतीत असून शासकीय आश्रमशाळांबाबत हे प्रमाण ११ % आहे.

## ४.२९ शालेय साहित्य

पृथ्वीचा गोल, नकाशे वगैरे शैक्षणिक साहित्य ९१ % आश्रमशाळात उपलब्ध आहे. फक्त २ शासकीय आश्रमशाळात हे साहित्य नाही त्यापैकी १ शाळा ४ वर्षापूर्वीच स्थापन झाली असून अमरावती जिल्हा चिखलदरा तालुक्यातील रायपूर येथील शासकीय आश्रमशाळेची स्थिती सर्वच बाबतीत हलाखीची आहे.

## ४.३० निवासी/अनिवासी विद्यार्थी

सर्व आश्रमशाळात मिळून एकूण ८४७६ विद्यार्थी असून त्यापैकी ८७ % विद्यार्थी आश्रमशाळेतील निवासी विद्यार्थी असून उर्वरित १३ % विद्यार्थी बहिस्थ आहेत. आश्रमशाळेच्या परिसरात राहणारी व अन्य शाळा उपलब्ध नसलेली मुले आश्रमशाळेत दाखल होतात व त्यात सर्व जाती/जमातीच्या मुलांचा समावेश असतो. शासकीय आश्रमशाळेत बहिस्थ विद्यार्थ्यांचे प्रमाण १७ % असून अनुदानित आश्रमशाळेत १० % आहे.



### ४.३१ विद्यार्थ्यांची दैनिक उपस्थिती

एकूण २२ आश्रमशाळांपैकी २७ % आश्रमशाळांमध्ये विद्यार्थ्यांच्या दैनिक उपस्थितीचे प्रमाण ५० ते ७५ % आहे. ९ % आश्रमशाळांमध्ये ७५ ते ९० % विद्यार्थी उपस्थित असतात तर ६४ % आश्रमशाळांमध्ये विद्यार्थ्यांच्या उपस्थितीचे प्रमाण ९० ते १०० % पर्यंत असते.

७५ % शासकीय आश्रमशाळात उपस्थितीचे प्रमाण ५० ते ७५ % असते. परंतु बिबा, तालुका चिखलदरा, जिल्हा अमरावती ह्या अनुदानित आश्रमशाळेत असे आढळले की, पटावर उपस्थिती मांडलेले विद्यार्थी शाळेत उपस्थित नव्हते व काही विद्यार्थी शाळेत उपस्थित असूनही त्यांची हजेरी मांडलेली नव्हती.

### ४.३२ विद्यार्थ्यांचे जातवार वर्गीकरण

आदिवासी आश्रमशाळेतील एकूण ८४७६ विद्यार्थ्यांपैकी २१ विद्यार्थी फक्त अनुसूचित जातीचे असून अनुसूचित जाती व जमाती वगळून इतर जाती/जमातीचे विद्यार्थी ११२ आहेत व हे प्रमाण फक्त १.५ % आहे. उर्वरित सर्व ८३४३ म्हणजे ९८.४ % विद्यार्थी केवळ अनुसूचित जमातीचे आहेत. आदिवासी आश्रमशाळांमध्ये फक्त अनुसूचित जमातीनांच प्राधान्य दिलेले आहे, हे यावरून स्पष्ट होते.

शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळेमध्ये या बाबतीत काही तफावत आढळली नाही.

### ४.३३ उत्तीर्ण विद्यार्थी

आदिवासी आश्रमशाळांच्या १० वीच्या निकालाची पडताळणी केली असता ८ % शाळांचा निकाल ५० % पेक्षा कमी आहे. निकालाबाबत खालील परिस्थिती आढळते.

#### तक्ता ३०

#### १० वीचा निकाल

| शाळांच्या निकालाची टक्केवारी | २००६-०७ मधील शाळांची संख्या | २००७-०८ मधील शाळांची संख्या |
|------------------------------|-----------------------------|-----------------------------|
| १००%                         | ६ (२७%)                     | १२ (५५%)                    |
| ९० ते १००%                   | १० (४५%)                    | ८ (३६%)                     |
| ६० ते ९०%                    | ०%                          | २ (९%)                      |
| ५० ते ६०%                    | ४ (१८%)                     | ०                           |
| ५०% पेक्षा कमी               | २ (१०%)                     | -                           |

१०० % निकाल लागलेल्या शाळांचे प्रमाणात २००६-०७ पेक्षा २००७-०८ मध्ये दुपटीने वाढ झाली आहे. तर जवळपास ४० % शाळांचे निकाल ९० ते १०० % चे दरम्याने आहेत.

एका अनुदानित आश्रमशाळेचा १० वीचा निकाल २००६-०७ मध्ये ३६ % लागलेला होता. त्याच शाळेचा निकाल (२० मार्क देण्याचे काम शाळेच्या अखत्यारित आल्यावर) परीक्षा पद्धती बदलल्यावर २००७-०८ मध्ये ८९ % लागलेला आढळतो.

प्राथमिक शाळातील इयत्ता ४ थी, इयत्ता ७ वी तर माध्यमिक शाळातील इयत्ता ८ वी इयत्ता ९ वीचे निकाल क्वचित अपवाद वगळता ८० ते ९० % चे दरम्यानच आहेत.

अर्थातच शालान्त परीक्षेचा १०० % निकाल लागणाऱ्या शाळांमधील विद्यार्थ्यांना प्रत्यक्षात साध्या, सोप्या प्रश्नांची सुद्धा उत्तरे देता येत नाहीत.

#### ४.३४ उजळणी वर्ग

सर्वच्या सर्व पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळात उजळणी वर्ग घेतले जातात असे आढळून आले. आवश्यकतेनुसार अतिरिक्त तास घेऊन विद्यार्थ्यांना मार्गदर्शन केले जाते.

#### ४.३५ शिक्षण खात्याच्या परीक्षा

शालेय व शालान्त परीक्षांव्यतिरिक्त शिक्षण खात्याकडून विद्यार्थ्यांच्या इंग्रजी, गणित, संस्कृत, चित्रकला, हिंदी शिष्यवृत्ती अशा अनेक विषयांच्या परीक्षांचे आयोजन केले जाते. सदर परीक्षा देणे कोणत्याही शालेय विद्यार्थ्यांना बंधनकारक नसले तरी त्या त्या विषयांच्या विशेष अभ्यासासाठी विद्यार्थी अशा परीक्षा देत असतात.

आदिवासी आश्रमशाळेचे विद्यार्थीही क्वचित अपवाद वगळता ह्या परीक्षा देतात व उत्तीर्णही होतात. ह्या परीक्षा देताना शिष्यवृत्ती व चित्रकला परीक्षा देण्यावर विद्यार्थ्यांचा जास्त भर असतो. शिष्यवृत्ती परीक्षा देणे, उत्तीर्ण होणे व शिष्यवृत्ती मिळविणे ह्या बाबी शाळेची व विद्यार्थ्यांची प्रतिष्ठा वाढण्याच्या दृष्टीने महत्त्वाच्या असतात. त्यामुळे ही परीक्षा देण्याकडे विद्यार्थ्यांचा कल अधिक असतो. मात्र शिष्यवृत्तीची रक्कम अल्प असल्याने शिष्यवृत्ती विद्यार्थ्यांच्या शैक्षणिक खर्चास हातभार लावण्यास उपयोगी होते असे नव्हे. त्यामुळे शिष्यवृत्तीच्या रकमेमुळे विद्यार्थी परीक्षा देण्यास उद्युक्त होतात असे नव्हे.

२००७-०८ मध्ये बाह्य परीक्षांना विद्यार्थी बसविणाऱ्या शाळांची विषयानुसार माहिती खालील तक्त्यात दिली आहे.

**तक्ता ३१**

| अ.क्र. | शाळेचा प्रकार | संस्था | विषय    |      |       |          |             |     |
|--------|---------------|--------|---------|------|-------|----------|-------------|-----|
|        |               |        | इंग्रजी | गणित | हिंदी | चित्रकला | शिष्यवृत्ती | इतर |
| १      | शासकीय        | ९      | १       | १    | १     | ८        | ९           | ५   |
| २      | अनुदानित      | १३     | ४       | २    | २     | ११       | १२          | ८   |
| ३      | एकूण          | २२     | ५       | ३    | ३     | १९       | २१          | १३  |

**४.३६ प्रश्नपत्रिका**

आश्रमशाळांमध्ये घेतल्या जाणाऱ्या विविध विषयांच्या परीक्षा विविध स्तरांवरून काढल्या जातात. शालांतर्गत परीक्षांच्या प्रश्नपत्रिका कधी शालेय शिक्षकांकडून, कधी शासनाकडून, कधी अनुदानित आश्रमशाळांच्या संस्थांकडून काढल्या जातात. तर काही ठिकाणी आश्रमशाळांमध्ये खाजगी मुद्रणालयाकडून (प्रेस) विकत आणल्या जातात. प्रश्नपत्रिकांच्या पुरवठ्याबाबत माहिती खालील तक्त्यात दिली आहे.

**तक्ता ३२**

| अ.क्र. | शाळेचा प्रकार | संस्था | प्रश्नपत्रिका पुरवठा होणाऱ्या शाळांची संख्या |      |        |             |
|--------|---------------|--------|--|------|--------|-------------|
|        |               |        | शालेय शिक्षक                                 | शासन | संस्था | खाजगी प्रेस |
| (१)    | (२)           | (३)    | (४)  | (५)  | (६)    | (७)         |
| १      | शासकीय        | ९      | १  | ८    | ०      | ०           |
| २      | अनुदानित      | १३     | १  | १    | ७      | ४           |
|        | एकूण          | २२     | २  | ९    | ७      | ४           |

अनुदानित आश्रमशाळा सरळ खाजगी प्रेसमधून प्रश्नपत्रिकांचे संच विकत आणतात. त्यामुळे प्रश्नपत्रिकांची गोपनीयता संपुष्टात येते. अर्थातच आश्रमशाळेतील विद्यार्थी खाजगी प्रेसमधून असे संच मिळविण्याइतके चलाख असतात का व ही बाब त्यांना आर्थिकदृष्ट्या परवडणारी असते का हा प्रश्न आहेच. पण तरीदेखील परीक्षेची ही पद्धत आक्षेपार्ह आहे व त्यात बदल करण्याचे आदेश दिले जावेत असे वाटते.

### ४.३७ बोलीभाषेचा वापर

महाराष्ट्रातील आदिवासी आश्रमशाळेतील विद्यार्थ्यांना महाराष्ट्र शासनाच्या आदेशानुसार मराठीत शिक्षण दिले जाते व त्यांच्या लेखी/तोंडी परीक्षाही काही अपवाद वगळता मराठीतून घेतल्या जातात. हिंदी व इंग्रजीच्या परीक्षा त्या त्या भाषेतून घेतल्या जातात व इंग्रजी माध्यमाच्या आश्रमशाळा इंग्रजीतून शिक्षण देतात.

परंतु आदिवासींची मातृभाषा मराठी नसून त्यांची त्या त्या जमातीची स्वतंत्र बोली असते व बहुतेकवेळा ह्या बोलीला लिपी नसते. विद्यार्थ्यांना विषयाचे संपूर्ण आकलन होण्यासाठी त्यांच्या बोलीत त्यांच्याशी शिक्षकांनी संवाद साधणे आवश्यक असते. परंतु अनुसूचित जमातीचे शिक्षकांमधील प्रमाण पाहता हे नेहमीच शक्य होत नाही. तरीदेखील काही ठिकाणी स्थानिक बिगर आदिवासी शिक्षक स्थानिक आदिवासींची बोली थोडीफार शिकून घेऊन विद्यार्थ्यांशी संवाद साधतात. मात्र हे प्रमाण फारच कमी आहे असे विद्यार्थी सांगतात व त्यांची शैक्षणिक प्रगती पाहता तेच वास्तव असल्याचे जाणवते.

शिक्षकांनी दिलेल्या माहितीनुसार २ अनुदानित शाळांचा अपवाद वगळता इतर सर्व शासकीय व अनुदानित आश्रमशाळात शिक्षक बोलीभाषेचा वापर करतात असे समजते. मात्र विद्यार्थ्यांशी त्यांच्या बोलीमध्ये बोलण्याचे प्रात्यक्षिक दाखविण्यास सांगितल्यावर मला येत नसले तरी 'अन्य' शिक्षकास बोली समजते असे सांगितले गेले.

### ४.३८ घटक चाचण्या

सर्व आश्रमशाळातून वर्षातून नियमितपणे ४ घटक चाचण्या घेतल्या जातात. इयत्ता ८ वी व इयत्ता ९ वी च्या ४ ऐवजी संयुक्त घटक चाचण्या होतात.

### ४.३९ सांस्कृतिक कार्यक्रम

सर्व आश्रमशाळांमध्ये वर्षातून २ ते ३ वेळा सांस्कृतिक कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात येते. विद्यार्थ्यांच्या सहभागाने व शिक्षकांच्या मार्गदर्शनाखाली सांस्कृतिक कार्यक्रम सादर केले जातात.

## ४.४० क्रीडा स्पर्धा, वक्तृत्व व निबंध स्पर्धा

सर्व आश्रमशाळांमध्ये दरवर्षी शालांतर्गत क्रीडा, वक्तृत्व व निबंध स्पर्धा घेतल्या जातात.

## ४.४१ शिक्षकांच्या मासिक सभा

सर्व आश्रमशाळात शिक्षकांच्या मासिक सभा नियमितपणे होतात. अभ्यासक्रमाचे नियोजन, इतर अडचणी ह्यावर सदर सभांमध्ये चर्चा होते.

## ४.४२ शालेय तपासणी

आश्रमशाळांची नियमितपणे तपासणी करण्यासाठी केंद्रप्रमुखांच्या नेमणुका केलेल्या असतात. १० आश्रमशाळांसाठी १ केंद्रप्रमुख असतो. प्रत्येक केंद्रप्रमुखाने प्रत्येक आश्रमशाळेस दर १५ दिवसांनी भेट देणे अपेक्षित असते.

ह्या शासकीय आदिवासी आश्रमशाळांची आदिवासी विभागाकडून, शिक्षण विभागाकडून व अनुदानित आदिवासी आश्रमशाळांची संबंधित संस्थेकडून प्रमाणकानुसार तपासणी करण्यात येते. वास्तविक ह्या भेटींचा उद्देश शाळेच्या अडीअडचणी सोडविणे व गैरशिस्तीवर, गैरकारभारावर अंकुश ठेवणे हा असतो. यावेळी शाळेची सर्वांगीण सखोल तपासणी, दफ्तर तपासणी, लेखापरीक्षण आदी बाबी होत नाहीत व त्या अपेक्षितही नसतात. त्यासाठी मानकानुसार वर्षातून २ वेळा वरिष्ठ अधिकाऱ्यांनी आपल्या पथकासह परिनिरीक्षण करणे आवश्यक असते.

तसेच परिनिरीक्षण शिक्षण व आदिवासी अशा दोन्ही खात्यांकडून होणे आवश्यक आहे. २००७-०८ या वर्षातील शालेय तपासणीविषयी माहिती खालील तक्त्यात दिली आहे.

### तक्ता ३३

| अ. क्र. | शाळेचा प्रकार | संख्या | तपासणी करणारे अधिकारी |              |             |        |
|---------|---------------|--------|-----------------------|--------------|-------------|--------|
|         |               |        | संस्था/केंद्रप्रमुख   | आदिवासी खाते | शिक्षण खाते | संस्था |
| १       | शासकीय        | ९      | ७                     | ५            | ८           | ०      |
| २       | अनुदानित      | १३     | १०                    | १०           | १०          | १३     |
|         | एकूण          | २२     | १७                    | १५           | १८          | १३     |

काही ठिकाणी वरिष्ठ अधिकारी आश्रमशाळांना जाता जाता भेटी देऊन जातात संपूर्ण सखोल तपासणी होत नाही.

मानकानुसार परिनिरीक्षण होणे आश्रमशाळांचा दर्जा सुधारण्यासाठी अत्यंत आवश्यक आहे. या बाबीची झालेली हेळसांडच शाळांमधील अस्वच्छता, शिक्षकांची अनुपस्थिती, अपुरे अन्नधान्य, भोजनाचा सुमार दर्जा व विद्यार्थ्यांच्या खुंटलेल्या शैक्षणिक प्रगतीस कारणीभूत ठरते. अनुदानाचा अपव्यय संभवतो, आर्थिक गैरव्यवहार करण्यास कर्मचारी उद्युक्त होतात व ह्या सर्वांचा परिणाम विद्यार्थ्यांचा शैक्षणिक दर्जा घसरण्यावर होतो.

### ४.४३ गळती

आश्रमशाळातील इयत्तावार विद्यार्थ्यांकडे नजर टाकल्यास पूर्वप्राथमिक, प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षणाचा सोपान चढताना शेवटच्या पायरीवर शाळा सोडण्याचे प्रमाणात वाढ होते. म्हणजेच इयत्ता ४ थी नंतर, इयत्ता ७ वी नंतर व इयत्ता १० वी नंतर शाळा सोडण्याचे प्रमाण वाढते. त्यातही इयत्ता वाढत जाईल तशी मुलींची शाळेतील गळती वाढत जाते. विशेष करून मुलींच्या शाळेतील प्रमाण मुली वयात आल्यावर कमी होते. मुली वयात आल्यावर लगेच लग्न होत असल्याने त्यांचे शिक्षण थांबते.

पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांच्या इयत्ता ८ वी, इयत्ता ९ वी व इयत्ता १० वी च्या मुलींच्या आकडेवारीकडे नजर टाकली तर ही बाब प्रकर्षाने लक्षात येते. इयत्ता ८ वी मध्ये एकूण ४१४ मुली होत्या इयत्ता ९ वी मध्ये ३३५ झाल्या तर इयत्ता १० वी त मुलींची संख्या ३१८ झाली असून इयत्ता ११ वी १५७ व इयत्ता १२ वीत ९६ अशी घसरण दिसते.

मुले लहान असतात तेव्हा त्यांचा घरासाठी फारसा उपयोग नसतो. पण ती थोडी मोठी झाली व त्यांचे घरकामात साहाय्य होण्याची शक्यता निर्माण झाली की त्यांना शाळेतून काढून घरकामांमध्ये गुंतवले जाते. घरकामात स्वयंपाक पाण्यापासून गुरे वा मुले सांभाळण्यापर्यंत सर्व कामांचा अंतर्भाव होतो. खरेतर ही परिस्थिती फक्त आदिवासीपुरतीच किंवा आश्रमशाळेपुरती मर्यादित नसून कनिष्ठ आर्थिक स्तरावरील कुटुंबातील बालकांचे हे चित्र सार्वत्रिक आहे.

पालकांची आर्थिक स्थिती सुधारल्याखेरीज, मुलांच्या मदतीशिवाय कुटुंबाचे उत्तरदायित्व पेलण्याइतके कनिष्ठ आर्थिक स्तरावरील पालक सक्षम झाल्याखेरीज ह्यात बदल होणे असंभवनीय आहे.

## ४.४४ अनुदान

पाहणी केलेल्या १३ अनुदानित आश्रमशाळांमध्ये अनुदानाचे हिशेब सर्वत्र प्राप्त झाले नाहीत. प्रती विद्यार्थ्यांमागे रुपये ५०० चे अनुदान आश्रमशाळेला देण्यात येते. मात्र अनुदानाचे हिशेब व्यवस्थित ठेवलेले नाहीत. अनेक शाळात अनुदान वहा ठेवलेल्या नाहीत.

चाकुर्दा, तालुका धारणी, प्रकल्प धारणी येथे आश्रमशाळेला मिळत असलेल्या अनुदानाचा लाभ विद्यार्थ्यांना मिळत नसल्याचे स्पष्ट झाले.

पटावर विद्यार्थ्यांची नावे असतात, त्यांची हजेरी लावलेली नसते. तर काही ठिकाणी शाळेतील उपस्थित विद्यार्थी व पटावरील विद्यार्थी यांची नावनिशी पडताळणी केली असता त्यांचा ताळमेळ लागू शकत नाही.

स्वयंसेवी संस्थांनी ज्या सद्भावनेने आश्रमशाळा सुरू केल्या ती सद्भावना लोप पावत चालल्याचे स्पष्ट दिसते.

अनुदानित शाळांचा दर्जा शासकीय शाळांपेक्षा सर्वच स्तरावर घसरला असल्याचे चित्र दिसते.

१३ अनुदानित शाळांपैकी २ शाळा वगळता सर्वांनी अनुदान वेळेवर मिळत असल्याचे सांगितले. ३ आश्रमशाळांनी अनुदान पुरेसे मिळत नसल्याची तक्रार केली. ५०% आश्रमशाळांना संस्थेकडून वस्तू स्वरूपात अनुदान मिळत असून काही संस्था अनुदानापेक्षा जास्त खर्च करतात.

## ४.४५ आश्रमशाळांचा शैक्षणिक दर्जा

आदिवासी मुलांच्या शिक्षणाची सोय करण्याचा प्रयत्न शासनाने व स्वयंसेवी संस्थांनी आश्रमशाळांच्या माध्यमातून केला आहे.

आदिवासी मुलांच्या निवासाची, भोजनाची, देखभालीची व शिक्षणाची सोय आश्रमशाळांमध्ये होत आहे. आश्रमशाळांच्या स्थापनेपूर्वी व स्थापनेनंतरच्या १० वर्षांचा कालावधी विचारात घेतला तर आदिवासींच्या साक्षरतेच्या प्रमाणात ५ पट एवढी मोठी वाढ झालेली आढळेल.

### तक्ता ३४

| आदिवासींचे साक्षरतेचे प्रमाण |       |       |      |
|------------------------------|-------|-------|------|
| १९७१                         | १९८१  | १९९१  | २००१ |
| ११.७४                        | २२.२९ | ३६.७७ | ५५.२ |

१९७१ मध्ये ११.७४ इतके कमी असलेले साक्षरतेचे प्रमाण २००१ मध्ये ५५.२ पर्यंत वाढले आहे व हे केवळ आश्रमशाळांमुळेच शक्य झाले आहे. मात्र साक्षरतेच्या पाच पट वाढलेल्या प्रमाणाच्या १/१० आदिवासी सुद्धा खऱ्या अर्थाने सुशिक्षित झालेले नाहीत.

आश्रमशाळांमध्ये मुले मोठ्या संख्येने शिक्षण घेतात असे चित्र त्यांच्या उपस्थितीवरून दिसते. पण शिक्षणाच्या ओढीने येणारी मुले किती व निवास-भोजनाच्या उपलब्धतेमुळे येणारी मुले किती हा खरा प्रश्न आहे.

शिक्षणाची तळमळ जशी मुलांना वा पालकांना नाही तशीच ती आश्रमशाळेत शिकविणाऱ्या शिक्षकांना देखील नाही. अनुदानित आश्रमशाळांपैकी बहुतेकांचा हेतू मुलांचे शिक्षण हा नसून अनुदान मिळविणे हाच असतो हे सहज जाणवते. अनुदानित आश्रमशाळा बिबा, तालुका चिखलदरा, जिल्हा अमरावती येथील इयत्ता ८ वी तील विद्यार्थ्यांना राज्याचे वा जिल्ह्याचे नाव सांगता येत नाही. इयत्ता ६ वीच्या मुलांना दिशा सांगता येत नाहीत. अशा अनेक अद्भूत बाबी आश्रमशाळेत नजरेस येतात.

शासकीय आश्रमशाळांमध्ये शिक्षकांच्या नेमणुका त्यांच्या जिल्ह्यात होत नसल्याने व ग्रामीण भागात प्रवासाच्या सुविधा पुरेशा नसल्याने शिक्षक स्वस्थ चित्ताने अध्यापन कार्य करू शकत नाहीत ते बदलीसाठी लक्ष ठेवून धडपड करीत रहातात.

आश्रमशाळांतील शिक्षक, अधीक्षक यांनी आश्रमशाळेत वास्तव्य करणे बंधनकारक असले तरी त्यांना आश्रमशाळेत आवश्यक सोई सुविधा असलेली निवासस्थाने उपलब्ध नसल्याने बहुतेक ठिकाणी शिक्षक आदी मंडळी जवळच्या गावात वास्तव्य करतात. त्यामुळे त्यांच्याकडून विद्यार्थ्यांवर व्हावी तशी देखरेख होत नाही. नाशिकमधील कालुस्ते येथील शासकीय आश्रमशाळेच्या मुख्याध्यापकांना शाळा स्थापन होऊन किती वर्षे झाली, शाळेत संगणकांची संख्या किती आहे, हे सांगता येत नाही. ग्रंथालयाची चावी हरवली असे बिनदिक्कत सांगतात. असे मुख्याध्यापक शाळेच्या व्यवस्थेचे निदर्शकच असतात.

या शिवाय आश्रमशाळेत अध्ययन करणाऱ्या विद्यार्थ्यांच्या शिक्षणाच्या माध्यमाची भाषा हा शिक्षणाच्या दर्जात मोठा अडसर ठरतो. जशी देशी मातृभाषा असणारी मुले इंग्रजी माध्यमाच्या शाळेत मागे पडतात तोच प्रकार आदिवासी विद्यार्थ्यांच्या बाबत होतो. पराठी ही त्यांच्या दृष्टीने विदेशी भाषाच असते. आदिवासींना मुख्य प्रवाहात सामील करून घेण्यासाठी त्यांना मराठीतूनच शिकवण्याच्या अड्डाहासाचे पर्यवसान



त्यांच्या ज्ञानाच्या कक्षांच्या व्याप्तीवर बंधने येण्यात होते. ना त्यांना मराठी समजत ना त्यांना त्यांच्या बोलीभाषेतून ज्ञान मिळते.

ह्या सर्व कारणांमुळे आश्रमशाळांचा शैक्षणिक दर्जा अतिशय खालावलेला आहे. विद्यार्थ्यांना सोप्या सोप्या प्रश्नांची उत्तरे देता येत नाहीत, वाचता येत नाही की लिहिता येत नाही. ४० % च्या दरम्यान इयत्ता १० वी चा निकाल लागलेल्या शाळांचे निकाल, प्रत्येक विषयातील २० मार्क शाळेच्या अखत्यारीत आल्यावर १०० % पर्यंत पोचले आहेत. कारण २० पैकी बहुतेक विद्यार्थ्यांना १८ ते १९ मार्क शाळेकडून बहाल करण्यात आले आहेत.

ह्या शिवाय शाळेचे निकाल चांगले लागण्यासाठी (कारण निकालावर शाळेतील शिक्षकादी-कर्मचाऱ्यांच्या नोकऱ्या अवलंबून असल्याने) संबंधित मंडळी विद्यार्थ्यांना सर्रास कॉपी करण्यास प्रोत्साहन देतात, एवढेच नव्हे तर काही ठिकाणी शिक्षकच उत्तरपत्रिका लिहितात, इतक्या खालच्या पातळीवर ते उतरतात असे समजले. त्यामुळे निकाल चांगले लागले तरी मुलांच्या ज्ञानात काही भर पडलेली नाही असे स्पष्ट होते. पर्यायाने आदिवासी विद्यार्थी उच्चशिक्षण अथवा स्पर्धा परीक्षेत टिकत नाहीत. ह्यामुळे अशा अर्धशिक्षित पिढ्या तयार करण्याचे आश्रमशाळा हे कारखाने बनले असून अर्धवट शिक्षणामुळे ना ते शारीरिक कष्टास तयार असतात, ना त्यांची बौद्धिक काम करण्याची कुवत असते. ही बेकार, अपक्व तरुणाई व्यसनात, मौजमस्तीत व गुंडगिरीत दंग राहण्यात धन्यता मानते. ह्यासाठी आश्रमशाळांमध्ये ८ वी पासून व्यावसायिक शिक्षण सुरू केल्यास शालेय शिक्षणानंतर त्यांना लघुउद्योग सुरू करता येईल.

थोडक्यात आदिवासी विकास विभागाने आश्रमशाळांकडे अधिक लक्ष देण्याची गरज आहे. आर्थिक बाजू बळकट करण्याबरोबरच त्याचा योग्य विनियोग होईल, यावर काटेकोर देखरेख होण्याची निकड आहे. असे झाल्यास आश्रमशाळांच्या माध्यमातून आदिवासींच्या विकासाचे शासनाचे स्वप्न वास्तवात उतरेल.

## प्रकरण ५

### अडचणी व उपाययोजना

आश्रमशाळांमध्ये प्राधान्याने आढळलेल्या अडचणी खालीलप्रमाणे आहेत.

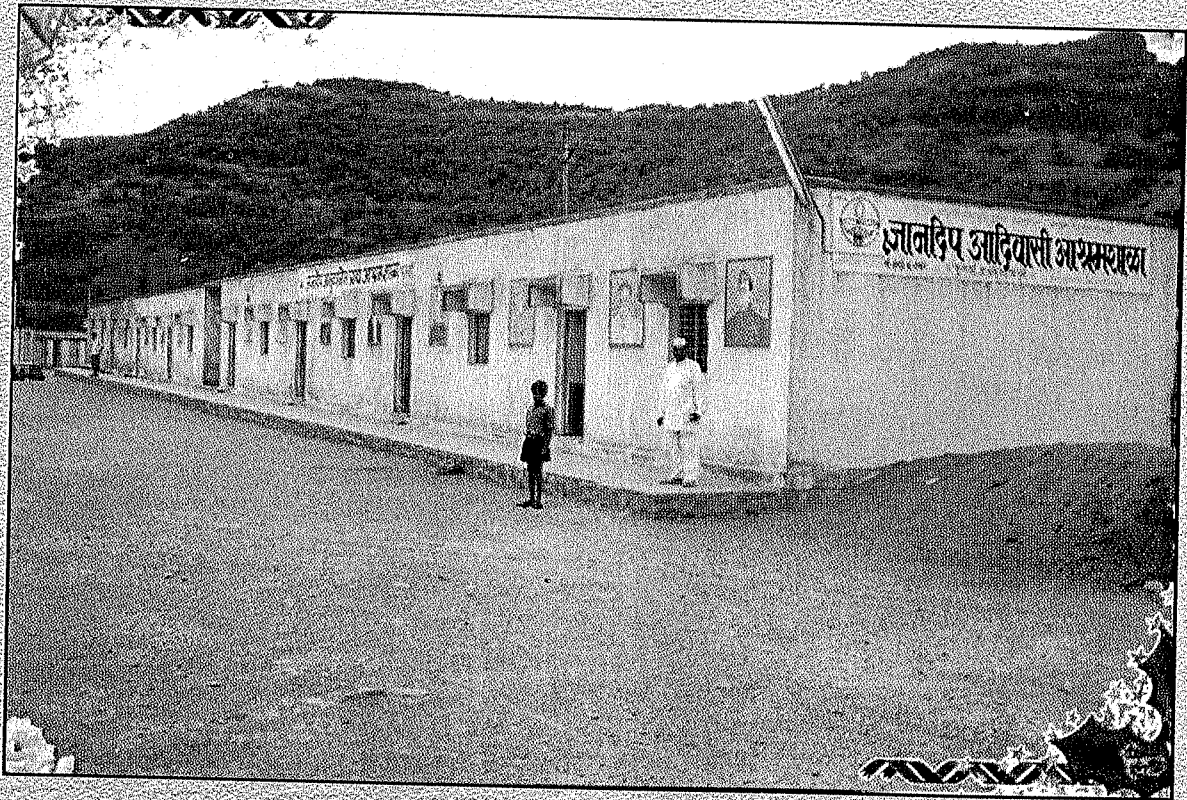
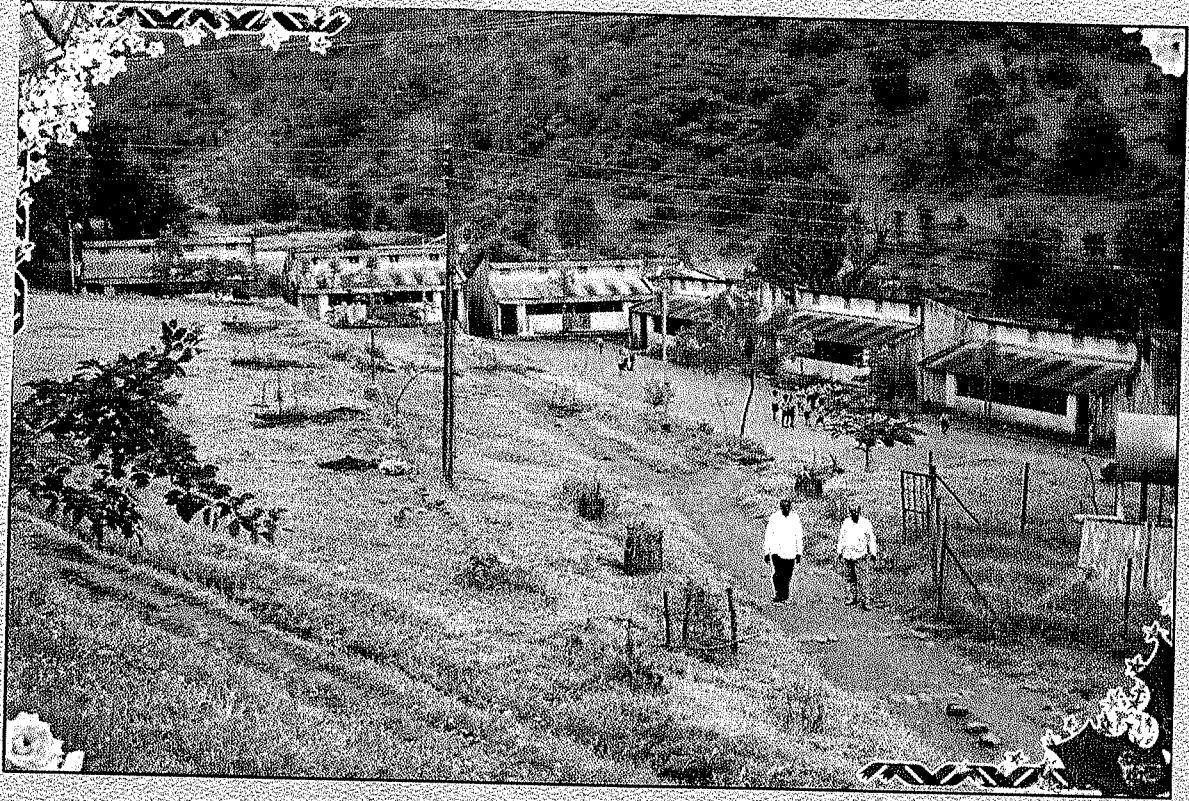
- १) इमारतींची स्थिती .-- पाहणी केलेल्या २२ आश्रमशाळांपैकी ४ आश्रमशाळांची इमारत कच्च्या स्वरूपाची आहे. पक्क्या स्वरूपाच्या इमारती बांधाव्यात.
- २) वर्गखोल्या .-- सरासरी ४६ विद्यार्थ्यांमध्ये एक वर्गखोली सध्या उपलब्ध आहे. मात्र ह्या वर्गखोल्या एवढे विद्यार्थी बसतील एवढ्या मोठ्या नाहीत. विद्यार्थ्यांना दाटीवाटीने बसावे लागते. वर्गखोल्यांची संख्या वाढविणे आवश्यक आहे.
- ३) स्वच्छतागृहे .-- स्वच्छतागृहांची व स्नानगृहांची स्थिती अत्यंत वाईट आहे. त्याकडे व्यवस्थापनाने तात्काळ लक्ष देणे गरजेचे आहे.
- ४) बेंचेस .-- बेंचेस अपुरी आहेत.
- ५) वसतिगृहे .-- शाळा व वसतिगृह बऱ्याच ठिकाणी एकत्रच आहेत. वसतिगृहासाठी स्वतंत्र इमारत बांधणे गरजेचे आहे.
- ६) निवासस्थाने .-- शालेय शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचाऱ्यांसाठी असलेली निवासस्थाने अपुरी असून तेथे सोई-सुविधांचाही अभाव आहे.
- ७) संगणक .-- फक्त ६४% शाळात संगणक आहेत. पण प्रशिक्षण फक्त १८% आश्रमशाळात देण्यात येते. संगणक साक्षरता वाढविण्यासाठी संगणक व प्रशिक्षित शिक्षकांची आवश्यकता आहे.
- ८) मातृभाषेतून शिक्षण .-- विद्यार्थ्यांना त्यांच्या त्यांच्या बोलीभाषेतून किमान प्राथमिक स्तरापर्यंत तरी शिक्षण देणे आवश्यक आहे.
- ९) पाणीपुरवठा .-- १२ महिने पाणीपुरवठा होत नसल्याने पाणी लांबून आणावे लागते तसेच त्यामुळे अस्वच्छता वाढते.
- १०) व्यवसाय शिक्षण .-- आश्रमशाळांमध्ये इयत्ता ८ वी पासून व्यवसाय शिक्षण दिल्यास बेकारीचे प्रमाण कमी होईल.
- ११) शिक्षकांच्या बदल्या व नेमणुका .-- शिक्षकांना शक्यतो स्वतःच्या जिल्ह्यात नेमणुका द्याव्यात व बदल्याही जिल्हांतर्गत कराव्या.

- १२) अधीक्षकांच्या नेमणुका .-- अधीक्षकांची सर्व पदे भरणे गरजेचे आहे. तसेच मुलींसाठी स्वतंत्र अधीक्षक असणे आवश्यक आहे. विद्यार्थ्यांच्या प्रमाणात अधीक्षक ठेवावेत. अधीक्षकांना प्राथमिक स्वरूपाचे आरोग्य शिक्षण दिल्यास ते विद्यार्थ्यांची चांगली देखभाल करतील.
- १३) वैद्यकीय अधिकारी भेटी .-- वैद्यकीय अधिकारी प्रमाणकानुसार शाळांना भेटी देत नाहीत. ह्याबाबत आरोग्य विभागाकडून त्यांना सूचना देणे गरजेचे आहे.
- १४) दळणवळण .-- आश्रमशाळांपर्यंत जाण्यासाठी पक्की सडक बांधणे आवश्यक आहे.

## प्रकरण ६

### निष्कर्ष

- १) गळती .-- आश्रमशाळातील विद्यार्थी संख्या मोठी असली तरी विद्यार्थ्यांचे इयत्ता ५ वी नंतर शाळा सोडण्याचे प्रमाण जास्त आहे. त्यात देखील मुलांपेक्षा मुलींचे शाळा सोडण्याचे प्रमाण अधिक आहे.
- २) शिक्षक संख्या .-- सद्यःस्थितीत ३९ विद्यार्थ्यांमागे एक शिक्षक असे प्रमाण आहे.
- ३) शिक्षकांचा सामाजिक दर्जा .-- आश्रमशाळेत असलेल्या शिक्षकांपैकी अनुसूचित जमातीच्या शिक्षकांच्या प्रमाणात वाढ होणे आवश्यक आहे. म्हणजेच आदिवासींसाठी जे सर्वसाधारण आरक्षणाचे नियम आहेत. त्यातून विशेष बाब म्हणून आदिवासी आश्रमशाळा वगळून आदिवासी विद्यार्थ्यांशी अधिक जवळीक साधू शकणारे आदिवासी शिक्षक नेमणे अधिक योग्य होईल.
- ४) स्वच्छता .-- आश्रमशाळांतील स्वच्छतागृहे कमालीची अस्वच्छ आहेत. स्वच्छतागृहांची संख्याही कमी आहे व सद्यःस्थितीत असलेली स्वच्छतागृहे पडकी व मोडकी आहेत. स्नानगृहांची स्थितीही हीच आहे.
- ५) पाणीपुरवठा .-- ७२% आश्रमशाळांना पाणीपुरवठ्याच्या समस्याला तोंड द्यावे लागते.
- ६) प्रयोगशाळा .-- प्रयोगशाळा सुविधा चांगली नाही.
- ७) ग्रंथालय .-- ग्रंथालयात पुस्तकांची संख्या मोठी असली तरी विद्यार्थ्यांना वाचनाची गोडी लावण्यासाठी प्रयत्न केले जात नाहीत.
- ८) संगणक .-- संगणक साक्षरता जवळजवळ नाहीच. १८% शाळांत संगणक शिक्षण दिले जाते.
- ९) वसतिगृह .-- ४०% आश्रमशाळांत वसतिगृहे व शाळा एकत्रच आहेत. वसतिगृहासाठी स्वतंत्र जागा असणे आवश्यक आहे.
- १०) भोजन .-- अनुदानित आश्रमशाळात भोजन सुविधा असमाधानकारक आहे.
- ११) शैक्षणिक दर्जा .-- आश्रमशाळांचा शैक्षणिक दर्जा खालावलेला आहे.
- १२) बोलीभाषा .-- आश्रमशाळात बोलीभाषेचा वापर होत नाही.
- १३) हिशेब .-- अनुदानाचे हिशेब नीट ठेवले जात नाहीत.
- १४) अग्निशामक यंत्रणा .-- आश्रमशाळांमध्ये अग्निशामन यंत्रणा बसविलेली नाही.
- १५) आश्रमशाळांची वेळ .-- आश्रमशाळेच्या वेळेत बदल करण्याची मागणी अनेक आश्रमशाळांतील विद्यार्थ्यांनी व शिक्षकांनी केली.
- १६) तपासणी .-- अनेक आश्रमशाळांची तपासणी नियमानुसार होत नाही व त्यामुळे आश्रमशाळा व्यवस्थापकांवर म्हणावा तसा अंकुश रहात नाही.



मुद्रणस्थळ : येरवडा कारागृह मुद्रणालय, पुणे-४ ११ ००६

